राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 07
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रु.
UPHIN/2014/67765

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ,
शनिवार , 14 जुलाई 2018

www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

यूपी शिया वक्फ बोर्ड ने कहा राम मंदिर के लिए दान करना चाहते हैं मुस्लिमों की एक तिहाई जमीन

नई दिल्ली। यूपी सेंट्रल शिया वक्फ बोर्ड (UPSCWB) ने शुक्रवार (13 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि अयोध्या विवाद में मुस्लिमों को इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली एक तिहाई जमीन वह हिन्दुओं को राम मंदिर के निर्माण के लिए देना चाहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वक्फ बोर्ड के वकील ने शीर्ष अदालत से कहा कि इस महान देश में एकता, अखंडता, शांति और सद्भाव के लिए के बोर्ड अयोध्या की विवादित जमीन में से अपने हिस्से की जमीन राम मंदिर के निर्माण में देने के पक्ष में है। हालांकि वरिष्ठ वकील राजीव धवन ने इस बयान पर विरोध जताते हुए कहा कि शिया वक्फ बोर्ड को इस मामले में हक्तक्षेप कर बोलने का अधिकार नहीं है।

धवन ने बाबरी मस्जिद ढहाने की घटना की तुलना बामियान की बुद्ध प्रतिमा से की, जिसे तालिबान ने उड़ा दिया था। धवन ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, "जिस प्रकार तालिबान ने बामियान को बर्बाद किया, ठीक उसी तरह हिंदू तालिबान ने बाबरी मस्जिद को नष्ट कर दिया।"

धवन ने बाबरी–राम मंदिर जमीन विवाद में उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा पक्ष लिए जाने की आलोचना की। धवन ने कहा कि यूपी सरकार अयोध्या विवाद पर तटस्थता के रूख को नहीं बदल सकती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार केंद्र सरकार इस मामले में वैधानिक गृहीता है, वह किसी का समर्थन नहीं कर सकती है। 17 मई को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) दीपक मिश्रा, जस्टिस अशोक भूषण और एसए नजीर की विशेष पीठ ने हिंदू समूहों के द्वारा दायर की (शेष पृ. 7 पर). . .

पाकिस्तान पहुचे नवाज-मरियम, लाहौर एयरपोर्ट पर हुई गिरफ्तारी

इस्लामाबाद। पनामा पेपर लीक मामले में कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम को लाहौर एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उसकी बेटी मरियम नवाज स्वेदश वापस लौट आए हैं। नवाज और उनकी बेटी को लाहौर एयरपोर्ट से ही गिरफ्तार कर लिया गया। आपको बता दें कि पाकिस्तान की एक अदालत ने बीते 6 जुलाई को लंदन में पॉश एवेनफील्ड हाउस में चार फ्लैटों के स्वामित्व से जुड़े एवेनफील्ड भ्रष्टाचार मामले में नवाज शरीफ को 10 साल और उनकी बेटी मरियम को 7 साल की सजा सुनाई थी। (शेष पृ. 7 पर). . .

थरूर के बयान पर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस को कहा बेशर्म

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शशि थरूर के देश के "हिन्दू पाकिस्तान' बनने संबंधी बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि कांग्रेस भारत एवं उसके लोकतंत्र को बदनाम करने तथा हिन्दुओं को आतंकवाद से जोड़ने की तुष्टीकरण की राजनीति पर लौट आई है। भाजपा के प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की बुधवार को मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात के थोड़ी देर बाद थरूर के इस बयान से साबित हो गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मंदिर भ्रमण तथा जनेऊ धारण

करने की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता से बाहर आ गए हैं और कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति के बिना उसी तरह से नहीं रह सकती है जैसे पानी के बिना मछली। उन्होंने मीडिया रिपोटरें का हवाला देते हुए कहा कि राहुल गांधी ने मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मंदिर भ्रमण की राजनीति पर माफी मांगी है और तुष्टीकरण की राजनीति पर लौटने का फैसला (शेष पृ. 7 पर). . .

कांग्रेस ने बयान से किया किनारा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपने नेता शशि थरूर के उस बयान को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा है कि वर्ष 2019 में नरेंद्र मोदी के फिर से चुनाव जीतने पर भारत 'हिदू पाकिस्तान' बन जाएगा। पार्टी ने यह भी कहा कि भारत का लोकतंत्र इतना मजबूत है कि यह देश कभी पाकिस्तान नहीं बन सकता। कांग्रेस नेता जयवीर शेरगिल ने संवाददाताओं से कहा, "भारत का लोकतंत्र इतना मजबूत (शेष पृ. 7 पर). . .

चुनाव पास आया तो बीजेपी को किसानों की याद आ गई : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि चुनाव सिर पर आ गए हैं तो भाजपा किसानों का हितैषी होने का दिखावा करने लगी है। किसानों के उत्पादों के लिए घोषित ताजा न्यूनतम समर्थन मूल्य से किसान को कुछ मिलने वाला नहीं है क्योंकि उसकी अर्थनीति किसान पक्षधर नहीं, कारपोरेट घरानों के हित साधन की है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य में डेढ़ गुना जोड़ने का जो दावा किया है वह भाजपा की दोषपूर्ण आर्थिक नीति को साबित करता है। पहले ही डॉ0 स्वामीनाथन रिपोर्ट की संस्तुतियों से भाजपा मुकर गई थी और अब किसानों के समर्थन का ढोंग कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में किसान की सबसे ज्यादा दुर्दशा है। उसके साथ न्याय नहीं हो रहा है। उसकी जमीन कर्ज में फंसी है, कृषि मण्डियों में किसान लुट रहा है, सिंचाई का संकट है। विद्युत आपूर्ति बाधित है,

किसान निराशा और कुण्ठा में आत्महत्या कर रहा है। भाजपा का अन्नदाता को ही धोखा देने में कोई गुरेज नहीं है। केन्द्र में भाजपा सरकार का अंतिम वर्ष है, किसानों को लाभ पहुंचाने का ख्याल उसे अब तक क्यों नहीं आया था? अखिलेश यादव ने कहा कि अपने जन्मकाल से ही भाजपा का किसान और खेत से कोई वास्ता नहीं रहा है। खेतों का वह दूरदर्शन करती आई है। उत्तर प्रदेश में ही गन्ना किसानों का लगभग 12238 करोड़ रूपया चीनी मिलों पर बकाया है। कर्जमाफी का वादा वादा ही रहा है। खाद, ट्रैक्टर, कीटनाशक दवाइयों पर जीएसटी की मार पड़ रही है। केन्द्र की भाजपा सरकार मई 2017 में सुप्रीमकोर्ट में मान चुकी है कि उसके कार्यकाल में लगभग 40 हजार किसानों ने आत्महत्या की है। अभी दो दिन पूर्व ही मध्य प्रदेश के सागर जनपद के किसान ने आत्महत्या की। उत्तर प्रदेश के बदायूं में एक दिन पूर्व किसान ने 48 हजार रूपए कर्ज के कारण आत्महत्या की है। बुंदेलखण्ड में सैकड़ों किसान आत्महत्या कर चुके है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार ने चौधरी चरण सिंह की नीतियों पर चलते हुए किसान और गांव को तरजीह दी थी। किसान की उपज को बिचौलियों और आढ़तियों की खरीद के कुचक्र से बाहर किया था। किसान की कर्जमाफी के साथ मुफ्त सिंचाई सुविधा दी थी। मंडियों को विकसित कर व्यापारियों को लूट से छूट दिलाई थी। किसान मंडी में अपमानित न हो इसकी व्यवस्था की गई थी। फसल बीमा का लाभ किसानों को मिला था। वर्ष 2016–17 को किसान वर्ष घोषित करते हुए बजट में 75 प्रतिशत की राशि गांव–किसान की भलाई के लिए रखी गई थी। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि वर्ष 2019 में अपने अंधकारमय भविष्य को देखते हुए भाजपा सीधे–सादे किसानों को बहकाने में लग गई है। भाजपा का सारा खेल चुनावी संभावनाओं पर आधारित है और इसके नेता समझते हैं कि वे फिर लोगों को अपनी श्ओपियम की पुड़ियाश से बहकाने में सफल हो जाएंगे। लेकिन अब उनकी चाल में किसान फंसने वाला नहीं है। वे भाजपा का वास्तविक चेहरा पहचान गए है।

किसानों को

षि विविधता के लिए मनरेगा कोष का उपयोग लाभदायक होगा : योगी

लखनऊ। मनरेगा और कृषि के बीच तालमेल के उद्देश्य से गठित मुख्यमंत्रियों के उपसमूह की नीति आयोग में हुई पहली बैठक में खेती की लागत कम करने, संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल और फसलों में विविधता लाने पर चर्चा हुई। बैठक में तय हुआ कि किसानों की आय दोगुनी करने में मनरेगा की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके लिए सभी राज्यों में कार्यशालाएं आयोजित की जायेंगी। पहली कार्यशाला 6 अगस्त को भोपाल में होगी।बैठक में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विशेष रूप से उपस्थित होकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए सुझाव दिये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई सुझाव देते हुए कहा कि

किसानों को लाभ पहुंचाकर ही विकास किया जा सकता है। कृषि और किसानों के बीच के बिचौलियों को हटाकर ही किसानों को फसल का उचित लाभ दिलाया जा सकता है। प्राकृतिक आपदाओं के बाद कृषि भूमि एवं परिसंपत्तियों का पुनर्वास तथा कृषि में विविधता के जरिये अधिकतम लाभ के लिए मनरेगा के कोष का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके पूर्व नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने बताया कि इनमें खेती की लागत कम करना, पानी तथा अन्य संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल से उत्पादन बढ़ाना और बाजार ढांचे में बदलाव कर किसानों को उचित कीमत दिलाना शामिल है। समूह इस बात पर एकमत था कि इन मुद्दों पर बड़े पैमाने पर विचार–विमर्श की जरूरत है जिसमें (शेष पृ. 7 पर). . .

गोमती में दो किशोरियां डूबीं

लखनऊ। गर्मी से परेशान होकर गोमती में नहाने गयीं दो किशोरियों की डूबने से मौत हो गयी। काकोरी दुबग्गा क्षेत्र स्थित झुग्गी–झोपड़ी में रहने वाले गुड्डू व रतिपाल कबाड़ बीनकर अपनी जीविका चलाते हैं। गुरुवार दोपहर गुड्डू की बेटी सबा (10) व रतिपाल की बेटी चांदनी (12) दो अन्य सहेलियों के साथ मड़ियांव थाना क्षेत्र स्थित घैला पुल किनारे गोमती में नहाने गयी थीं। उसी दौरान सबा व चांदनी गहरे पानी में डूबने लगीं। दोनों ने शोर मचाया तो उनकी दोनों सहेलियां भाग खड़ी हुई। इस बीच उनकी चीख–पुकार सुनकर एक नागरिक ने 100 पर पुलिस को सूचना दी तो मड़ियांव पुलिस मौके पर पहुंचकर गोताखोर की मदद से दोनों बच्चियों के शव (शेष पृ. 7 पर). . .

पूरा हो गया ऐतिहासिक बाणसागर नहर परियोजना का काम, 15 जुलाई को उद्घाटन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक बाणसागर नहर परियोजना जो वर्ष 1997 में शुरू की गई थी, उसे पूरा कर लिया गया है। एशिया की सबसे बड़ी इस परियोजना का 15 जुलाई को प्रधानमंत्री उद्घाटन करेंगे। सिंचाई मंत्री धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को सिंचाई भवन के सभागार में पत्रकार वार्ता करते हुए यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस योजना की शुरुआत तत्कालीन भाजपा शासनकाल में की गई थी। इस परियोजना का मुख्य बांध मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में बनाया गया था। वर्ष 2006 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका उद्घाटन किया था।

परियोजना के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इस परियोजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के जनपद मिर्जापुर में 75309 हेक्टेयर जमीन तथा इलाहाबाद जनपद में 74803 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी और लगभग 170000 किसान इससे लाभान्वित होंगे। 5. 54 टन खाद्यान्न का अतिरिक्त उत्पादन भी इससे बढ़ेगा।

धर्मपाल सिंह ने बताया कि 171 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली इस नहर की परियोजना में 3420 24 करोड़ रुपये कुल लागत आई है। पत्रकार वार्ता के समय सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वाति सिंह तथा सिंचाई राज्यमंत्री बलदेव ओलख भी मौजूद रहे।

आपको बता दें कि बाणसागर (शेष पृ. 7 पर). . .

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा- जनसमस्याओं के लिए संघर्ष को तैयार हो जाएं समाजवादी

लखनऊ । विदेश यात्रा से लौटते ही समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमले तेज करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया है। गुरुवार को सपा मुख्यालय में सुबह से चहल–पहल थी।

अखिलेश के आने की सूचना मिलने पर वरिष्ठ नेताओं के अलावा आम लोगों का आना–जाना लगा रहा। उत्साहित कार्यकर्ता नारेबाजी कर माहौल को गर्माने में लगे थे। अखिलेश ने पूर्व मंत्री आजम खां, रामगोविंद चौधरी, अहमद हसन, राजेंद्र चौधरी, नरेश उत्तम, एसआरएस यादव, नरेंद्र वर्मा, अबरार अहमद, शशांक यादव, उदयवीर सिंह व आनंद भदौरिया जैसे नेताओं से सियासी मसलों और संगठन की गतिविधियों पर चर्चा की।

विभिन्न जिलों से आए लोगों ने अखिलेश से मिलकर अपनी शिकायतें दर्ज करायी। कानपुर से आए लोग जीएसटी की मार से परेशान थे तो बाराबंकी, उन्नाव और हरदोई के लोगों ने कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति बयां की। अखिलेश ने जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष करने की बात कही। उनका कहना था कि समाजवादी पार्टी जनसरोकार के मुद्दों पर खामोश नहीं बैठेगी। साधु–संतों की टोली भी यादव से मिली। अधिवक्ताओं व डाक्टरों के प्रतिनिधिमंडल भी मिले।

कमलनाथ ने भाजपा को हटाने के लिए महाकाल को लिखी चिट्ठी

भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ ने भगवान महाकालेश्वर को एक खुला पत्र लिखकर राज्य में भाजपा के कथित 'कुशासन' के अंत के लिए लोगों को आशीर्वाद देने की गुजारिश की है। बता दें कि राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

शुक्रवार को मीडिया में जारी पत्र में कांग्रेस नेता ने भगवान से आग्रह किया है कि वह राज्य (शेष पृ. 7 पर). . .

आजम की बढ़ीं मुश्किलें, जौहर विवि को नोटिस

इलाहाबाद। प्रदेश के कद्दावर सपा नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजम खां के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका पर जौहर विविद्यालय को नोटिस जारी की है। कोर्ट ने केन्द्र व राज्य सरकार तथा आजम खां सहित जौहर विवि से जवाब मांगा है। हाईकोर्टने राज्य सरकार से पूछा है कि पिछले एक साल में विवि परिसर से घिरे गेस्ट हाउस में कितने वीवीआईपी रुके और गेस्ट हाउस, झील सहित कोसी नदी किनारे के सुन्दरीकरण के लिए सरकार ने कितना धन खर्च किया है। कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच टीम को जांच जारी रखने का भी निर्देश दिया है। आजम खां के अधिवक्ता से कोर्ट ने पूछा है कि विवि को कितनी जमीन पट्टे पर दी गयी है।यह आदेश हाईकोर्टके मुख्य न्यायाधीश डीबी भोसले तथा न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की खण्डपीठ ने जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल सलाम की जनहित याचिका पर दिया है। याची

अधिवक्ता अनिल तिवारी का कहना है कि 2005 में प्राइवेट ट्रस्ट ने जौहर विवि का निर्माण कराया जिसके आजम खां आजीवन कुलाधिपति हैं। रामपुर शहर की विकास योजनाओं जैसे स्टेडियम, झील, वीआईपी गेस्ट हाउस को विवि की बाउण्ड्री के भीतर कर लिया गया है। सरकारी फण्ड से कोसी नदी किनारे का सुन्दरीकरण किया गया। 10 किलोमीटर तक विवि का कब्जा है। लगभग 400 एकड़ क्षेत्र में सरकारी निर्माणों को विवि ने घेर लिया है। आम लोगों की पहुंच से दूर करते हुए विवि ने सरकारी सम्पत्ति को हथिया लिया है। गेस्ट हाउस का निर्माण लोक निर्माण विभाग ने दो करोड़ 28 लाख में कराया है जिसमें विविद्यालय की अनुमति से ही प्रवेश किया जा सकता है। सरकार की करोड़ों की योजनाओं को विवि ने अपने कब्जे में ले लिया है। नदी किनारे झील पर कब्जा कर मछली पालन से आय विवि ले रहा है। अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल व अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता एके गोयल ने कोर्ट को बताया कि मामले की जांच जिलाधिकारी द्वारा की गयी थी। (शेष पृ. 7 पर). . .

बिजली तार की चपेट में आयी महिला की मौत

काकोरी लखनऊ। काकोरी कस्बे में सुबह शौच करके वापस लौटते समय स्ट्रीट लाइट के टूटे पड़े तार की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। काकोरी क्षेत्र के रसूलपुर की रहने वाली कांति वि वकर्मा (45) गुरुवार को सुबह तड़के गांव से बाहर शौच के लिए गयी थी । वापस आते समय गांव में स्थित मंदिर के पास लगी स्ट्रीट लाइट के टूटे पड़े तार की चपेट में आ गयी। तार में आ रहे करण्ट से उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। ग्रामीणों ने बताया कि घटना की (शेष पृ. 7 पर). . .

एशिया के सबसे अमीर शख्स बने मुकेश अंबानी, जैक मा को छोड़ा पीछे

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) की 41वीं एनुअल जनरल मीटिंग के बाद लगातार कंपनी के शेयरों में तेजी जारी है. शुक्रवार को भी कंपनी के शेयरों ने बढ़त के साथ कारोबार किया है. इससे रिलायंस 100 अरब डॉलर के मार्केट कैप वाली कंपनियों के क्लब में शामिल हो गई है.

सिर्फ आरआईएल ही नहीं, बल्कि इसके चेयरमैन मुकेश अंबानी के लिए भी यह बढ़त फायदेमंद साबित हो रही है. इसकी बदौलत मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर शख्स बन गए हैं. उन्होंने जैक मा को इस मामले में पीछे छोड़ दिया है.

एशिया के सबसे अमीर शख्स बने मुकेश अंबानी, जैक मा को छोड़ा पीछे

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स ने मुकेश अंबानी की कुल सम्पत्ति 44.3 अरब डॉलर (करीब 3.02 लाख करोड़ रुपये) आंकी है. जबकि गुरुवार को जैक मां की कुल सम्पत्ति 44 अरब डॉलर (तकरीबन 3.01 लाख करोड़ रुपये) आंकी है.

इस तरह मुकेश अंबानी ने अलीबाबा (शेष पृ. 7 पर). . .

कन्नौज अपहरण कांड की जांच में हीला-हवाली पर प्रमुख गृह सचिव को मानवाधिकार आयोग की फटकार

लखनऊ। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नवीनतम आदेश से कन्नौज अपहरण कांड में चल रही सीबीसीआईडी जांच में हीला–हवाली अब संभव नहीं है। आयोग ने अपने आदेश में कहा है कि या तो उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख गृह सचिव श्री अरविंद कुमार जी आयोग को जांच की रिपोर्ट 6 सप्ताह के भीतर 15 अगस्त से पूर्व प्रस्तुत करें या फिर आयोग की फुल बेंच के सामने व्यक्तिगत उपस्थित होकर स्पष्टीकरण दें। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को सन 2012 में कन्नौज संसदीय क्षेत्र उपचुनाव में निर्विरोध घोषित किया गया था। वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल के प्रमुख भरत गांधी ने पूर्व मुख्यमंत्री, उनकी पत्नी और कई अन्य लोगों पर आरोप लगाया था कि इन सभी लोगों ने डिंपल यादव के विरुद्ध नामांकन करने के लिए कन्नौज पहुंचे सभी लोगों का अपहरण कर लिया था। भरत गांधी कन्नौज अपहरण का यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट ले गए। वहां से उन्हें संतुष्टि नहीं मिली, तो बाद में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में वाद दायर किया और खुद बहस की। सुप्रीम कोर्ट ने भरत गांधी को जांच करके पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया। लेकिन याचिकाकर्ता श्री भरत गांधी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालन तत्कालीन अखिलेश सरकार ने नहीं किया। इसके बाद भरत गांधी ने 11 नवंबर 2013 को इस मामले को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में प्रस्तुत किया। आयोग ने इस

मामले में कई बार नोटिस जारी किया और जांच का आदेश दिया, किंतु तत्कालीन अखिलेश सरकार के अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच नहीं की। इससे दुखी होकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 24 फरवरी 2016 को याचिकाकर्ता और वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल के प्रमुख भरत गांधी को पुलिस सुरक्षा देने और कन्नौज अपहरण कांड की जांच क्राइम ब्रांच से कराने का निर्देश उत्तर प्रदेश के प्रमुख गृह सचिव को दिया। किन्तु तत्कालीन अखिलेश सरकार ने इन आदेशों का अनुपालन नहीं किया। बाद में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो 1 साल से लटके राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के आदेश का कार्यान्वयन हुआ और क्राइम ब्रांच को भरत गांधी की शिकायतों पर कन्नौज अपहरण के मामले की जांच करने के लिए शासनादेश जारी किया गया। भरत गांधी ने कहा कि लगभग 1 वर्ष तक यह जांच सुचारु रूप से चली, लेकिन जैसे ही इस जांच में गवाहों ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के शामिल होने की बात क्राइम ब्रांच के सामने रखी, वैसे ही जांच ठंडी पड़ गई। विलंब होता देखकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने गत 25 जनवरी को आदेश जारी करते हुए कहा कि यदि मामले की जांच रिपोर्ट आयोग के समक्ष तत्काल प्रस्तुत ना की गई, तो आयोग प्रमुख सचिव के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करेगा। इस आदेश के बाद प्रमुख सचिव ने आयोग से 3 महीने की और मोहलत मांगी। प्रमुख सचिव के आवेदन पर विचार करते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने ताजा आदेश जारी करते हुए कहा है कि प्रमुख गृह सचिव को इस आदेश के 6 सप्ताह के भीतर कन्नौज अपहरण कांड में चल रही जांच की रिपोर्ट आयोग के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। निश्चित समय बीत जाने पर उन्हें स्वयं आयोग के समक्ष उपस्थित होना होगा।

दलित किशोरी का पड़ोसी किशोर व उसके तीन दोस्तों की मदद से गैंग रेप का आरोप

लखनऊ। मड़ियांव इलाके में मंगलवार शाम शौच के लिए निकली दलित किशोरी को पड़ोसी किशोर ने तीन दोस्तों की मदद से अगवा कर लिया। चारों ने मिलकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर बेरहमी से पीटा। किशोरी के चेहरे, हाथ, कोहनी व अन्य हिस्सों पर चोटें आयी। देर रात हैवान किशोरी को आईआईएम रोड पर फेंककर भाग निकले। राहगीरों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। बुधवार देर रात उपचार के बाद पीड़िता को लेकर परिजन थाने पहुंचे और आपबीती बतायी। खबर मिलते ही सीओ अलीगंज दीपक सिंह थाने पहुंचे। पुलिस ने गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज नामजद किशोर को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता का कहना है कि हैवानियत में शामिल तीन अन्य आरोपित चेहरा ढके थे।मूल रूप से मलिहाबाद निवासी महिला बच्चों संग मड़ियांव इलाके में किराए का कमरा लेकर रह रही है। महिला मेहनत मजदूरी कर बच्चों को पाल रही है। महिला ने बताया कि मंगलवार शाम

करीब सात बजे उसकी पन्द्रह वर्षीय बेटी मानसी (काल्पनिक नाम) शौच की बात कहकर घर से निकली। काफी देर तक बेटी के न आने पर मां ने तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। मां का कहना है कि जब किशोरी शौच के लिए जा रही थी। उस वक्त पड़ोस में रहने वाले किशोर ने उसे बहाने से बुलाया। इसके बाद वह किशोरी को अगवा कर जंगल में ले गया। जंगल में किशोर व उसके तीन साथियों ने किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर बेरहमी से पीटा। मारपीट में किशोरी बुरी तरह घायल हो गयी। किशोरी ने पुलिस को बताया कि बउवा के तीन दोस्तों को वह नहीं पहचानती है।तीनों ने चेहरे छिपा रखा था। जंगल में हैवानियत के बाद आरोपित उसे एक कमरे में ले गये और फिर आईआईएम रोड पर छोड़कर भाग निकले। देर रात किशोरी को घायल हालत में सड़क पर बेहोश पड़ा देख राहगीरों ने ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उससे बात की तो उसने मड़ियांव में गांव का नाम बताया। बुधवार सुबह डॉक्टरों ने ग्राम प्रधान से सम्पर्क किया।जिसके बाद प्रधान ने परिवार को बताया तो वे लोग ट्रामा सेंटर पहुंचे। किशोरी का कहना है कि वह सड़क पर कैसे पहुंची, उसे कुछ याद नहीं है। हैवानियत के बाद से किशोरी सदमे में है। अस्पताल में मां ने बेटी से पूछा तो उसने दरिंदगी बयां की। यह सुनकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गयी। बुधवार देर रात उपचार के बाद पीड़िता को लेकर परिजन मड़ियांव थाने पहुंचे। किशोरी से गैंगरेप की खबर पुलिस को देर रात पता चली। सामूहिक दुष्कर्म की सूचना मिलते ही सीओ अलीगंज दीपक कुमार सिंह मड़ियांव थाने पहुंचे। सीओ का कहना है कि पीड़िता की मां की तहरीर पर सामूहिक दुष्कर्म, अगवा, मारपीट व पॉक्सो एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

अधिवक्ताओ ने किया एस. पी. आफिस का घिराव

उन्नाव। बार एसोसिएशन अध्यक्ष सहित आक्रोशित अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता समाज अदालत की कार्यवाही से बहिष्कार का निर्णय लेते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने जमकर नारेबाजी की और कोतवाली प्रभारी को हटाने की मांग करने लगे।

अधिवक्ताओं का कहना था कि बिना किसी जांच के बार अध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा लिखना कोतवाली प्रभारी की सोची समझी साजिश है और यह जानबूझकर अपमानित करने के लिए किया गया है। इस संबंध में बार एसोसिएशन अध्यक्ष सतीश शुक्ला ने बताया कि सदन की बैठक आगामी 13 जुलाई को बुलाई गई है। जिसमें आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोतवाली प्रभारी ने मुकदमा लिखने को अपनी गलती मानी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि निष्पक्ष जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। 12 जुलाई को सदर कोतवाली क्षेत्र सीमा कश्यप पत्नी रेखा कश्यप निवासी

मजबूरी नहीं, फैशन के लिए पहनें हेलमेट : एसएसपी

लखनऊ। चालान व अन्य किसी मजबूरी के लिए नहीं बल्कि फैशन के लिए हेलमेट पहनना चाहिए। यह बात एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बुधवार शाम गंज चौराहे पर तब कही, जब उन्होंने वाहन चेकिंग की कमान संभाली। इस दौरान एसएसपी ने

एसएसपी ने गंज चौराहे पर खुद संभाली कमान, लोगों को हेलमेट पहनने व ट्रैफिक नियम के पालन के लिए किया प्रेरित

आम लोगों को हेलमेट पहनने व ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने साफ कहा कि उनके रडार पर नव युवक ही हैं। साथ ही निर्देश भी दिये कि चेकिंग के दौरान परिवार व बुजुगरे को परेशान न किया जाए।एसएसपी कलानिधि नैथानी ने कहा कि तीन घंटे का यह अभियान हेलमेट, सीट बेल्ट, ट्रिपलिंग के लिए था। चेकिंग के दौरान एसएसपी ने जब कुछ नवयुवकों को रोका तो उन्होंने एक से एक बहाने बनाए। किसी ने कहा कि

हेलमेट चोरी हो गया, किसी ने कहा सर भूल गये घर पर तो किसी ने बिमारी व कोचिंग का ही बहाना बना दिया। नवयुवकों के बहाने सुनकर एसएसपी ने भीनी मुस्कान लेते हुए चेताया कि बेटा हेलमेट मजबूरी के लिए नहीं बल्कि फैशन के लिए पहनोगे तो सुरक्षित रहोगे। एसएसपी ने कहा कि नवयुवक चेन स्नैचिंग व अन्य अपराध में शामिल होते हैं। ऐसे में चेकिंग के दौरान खास तौर पर नव युवक रडार पर हैं। उन्होंने कहा कि लखनऊ के वो हॉट स्पॉट जहां जाम अधिक लगता है, उसकी वे प्लानिंग करेंगे। जाम से कैसे निजात दिलायी जाए, इसका खाका जल्द ही जनता के सामने आएगा। एसएसपी ने गंज चौराहे के बाद चिरैयाझील चौराहे पर भी चेकिंग के दौरान निरीक्षण किया।राजधानी में गंज चौराहे समेत 40 प्रमुख जगहों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान में 1002 वाहन चालकों के हेलमेट धारण न करने पर चालान किये गये और 74200 रुपये जुर्माना वसूला गया। 1142 वाहनों का ई–चालान किया गया। इसके साथ ही 4166 युवकों को हेलमेट लगाने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के दौरान एएसपी व सीओ ने अपने–अपने क्षेत्रों में निरीक्षण किया।

सहारा हास्पिटल में ड्राइविंग चेंज इन इन्फेक्शन प्रिवेंशन पर व्याख्यान

लखनऊ। एनएबीएच मान्यता प्राप्त गोमतीनगर

स्थित सहारा हॉस्पिटल में शुक्रवार को सीएमई का आयोजन किया जाएगा, इसमें प्रॉमिस हॉस्पिटल सैन डिएगो सीए के डायरेक्टर पद पर कार्यरत विख्यात इन्फेक्शन प्रिवेंशन कण्ट्रोल एवं क्वालिटी और रिक प्रबंधन विक्टर लार्ज ने सभी के मध्य जागरूकता के लिये ड्राइविंग चेंज इन इन्फेक्शन प्रिवेंशन पर व्याख्यान दिया जाएगा। हेल्थ केयर सम्बंधित इन्फेक्शन (एचएआई) एक ऐसा संक्रमण है जो स्वास्य क्षेत्र में मरीज के 48 घंटे बाद विकसित होना शुरू होता है जब मरीज हॉस्पिटल में आता है तो उस समय मरीज को इन्फेक्शन उस समय नहीं होता है कई

राजधानी को पहलीथीन से मुक्त करने के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तैयारी पूरी

लखनऊ। राजधानी को पॉलीथीन से मुक्त करने के लिए राज्य प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड ने तैयारी पूरी कर ली है। बोर्ड ने जिला उद्योग केन्द्र से प्लास्टिक उत्पादन इकाई के रूप में पंजीकृत उद्योगों की जानकारी मांगी है। बोर्ड प्रशासन ने सभी मंडलों के क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश जारी किया है कि 15 जुलाई से 50 माइक्रान से कम पॉलीथीन प्रयोग करने वालों के खिलाफ अभियान शुरू करें। लखनऊ में पॉलीथीन का एक भी कारखाना संचालित न होने के बावजूद पूरा शहर प्लास्टि से भरा रहता है। मुख्यमंत्री द्वारा 15 जुलाई से 50 माइक्रान से कम की प्लास्टिक को प्रतिबंधित किये जाने के बयान के बाद इससे संबंधित विभाग एक बार फिर नींद से जागे हैं।

राज्य प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड, नगर निकाय सहित इसको क्रियान्वित करने वाले विभागों में पॉलीथिन को प्रतिबंधित किये जाने पर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। राज्य प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड की मानें तो लखनऊ में पॉलीथीन बनाने के 13 कारखाने स्थापित हैं। यह सभी कारखाने 2016 से ही बंद हैं।

बोर्ड का कहना है शहर में प्लास्टिध्पॉलीथीन का आपूर्ति ''बाहर' से आती है। मुख्यमंत्री की मंशा के मुताबिक 15 जुलाई से प्लास्टिक को प्रतिबंधित करने के लिए राज्य प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड ने कमर कस ली है। लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय प्रदूषण नियंतण्रअधिकारी डा. रामकरन ने बताया कि लखनऊ मंडल में 15 जुलाई तक टीम गठित करके कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

नशीला लड्डू खाने से पुष्पक एक्सप्रेस के 5 यात्री बेहोश

मुंबई–लखनऊ पुष्पक के स्लीपर कोच (एस–7) का मामला

जहरखुरानों ने यात्रियों का चार मोबाइल व 28 हजार कैश उड़ायापीड़ितों ने असपताल से लौटने के बाद दर्ज करायी प्राथमिकी

लखनऊ । ट्रेनों में सक्रिय जहरखुरानों ने इस बार मुंबई से लखनऊ आने वाली महत्वपूर्ण ट्रेन पुष्पक सुपरफास्ट एक्सप्रेस में पांच यात्रियों को अपना शिकार बनाया। पहले दोस्ती गांठी और बाद में नशीला लड्डू खिलाकर उनको बेहोश कर दिया। पूरे इत्मीनान से बच्चे समेत पांचों की तलाशी ली। उनके कई मोबाइल फोन व हजारों कैश उड़ाकर फरार हो गये। जहरखुरानी के शिकार पांचों की आंख बलरामपुर अस्पताल में खुली तो उनके होश उड़ गये।जीआरपी लखनऊ जं. चौकी प्रभारी जनमेजय सिंह ने बताया कि मंगलवार को मुंबई से लखनऊ आने वाली पुष्पक एक्सप्रेस (12534) के स्लीपर कोच (एस–7) में बलरामपुर निवासी मो.आजम अपने 8 साल के पोते रिहान के साथ सफर कर रहे थे। इसी कोच में बर्थ संख्या 4,5 व 6 पर बस्ती के सचिन गुप्ता, अकबरपुर के

नैतिक मिश्र और श्रावस्ती के अजीज खां भी सफर रहे थे। इसी स्लीपर कोच में जहरखुरानी गिरोह के दो सदस्य बर्थ नम्बर एक व दो पर यात्रा कर रहे थे। मनदीप व सरफराज के नाम दोनों जहरखुरान मुंबई से ही पुष्पक एक्सप्रेस में सवार हुए थे। चौकी प्रभारी ने बताया कि भोपाल ट्रेन पहुंचने से पहले जहरखुरान मनदीप व सरफराज खाना निकाल खुद खाया और उनको भी खिलाया। अंत में जहरखुरानों ने सभी को नशीला लड्डू खिलाया, उसके बाद सभी बेहोश गये। जहरखुरान ने इनके पास से चार मोबाइल व 28 हजार लेकर फरार हो गये। बुधवार को ट्रेन यहां पहुंची तो बेहोश यात्रियों को जीआरपी ने बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। बच्चा रेहान समेत पांचों को जब होश आया तो अपने का अस्पताल में पाया। पीड़ितों ने अपनी आपबीती जीआरपी को बतायी। मुसाफिरों के तहरीर पर जीआरपी ने सम्बंधित जीआरपी भोपाल प्राथमिकी यहां दर्ज की।

महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ पीएम के सीधे संवाद का प्रसारण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

सीतापुर। महिला किसानों एवं ग्रामीण युवतियों को स्वयं सहायता समूहों के गठनध सफल संचालन के लिये जागरूक करने एवं अद्यतन तकनीकी जानकारी प्रदान करके उनकी आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र, अम्बरपुर, सीतापुर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

जिसके अंतर्गत एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें समूह की आय बढ़ाने की तकनीकों की अद्यतन जानकारी प्रदान की गयी।

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी के महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ सीधा संवाद का प्रसारण दिखाया गया जिसके माध्यम से देश के विभिन्न प्रदेशों के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, आर–सेटी एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य विकास योजना द्वारा प्रशिक्षित सफल महिला स्वयं सहायता समूहों की सफलता की कहानी उनके प्रतिनिधियों की जुबानी बतायी गयी तथा उनकी आय मे वृद्धि करके उनको समृद्ध करने हेतु चलायी जा रही योजनाओं पर भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा संवाद के दौरान जानकारी दी गयी।

कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ0 सुरेश सिंह ने आय में वृद्धि करने के सूत्रों पर चर्चा करते हुये मौसमी सब्जियों एवं फलों में मूल्य संवर्धन तथा उत्पादों के विपणन पर प्रकाश डाला।

केंद्र के वैज्ञानिक डॉ0 विनोद कुमार सिंह ने ग्रामीण महिलाओं, नवयुवतियों एवं नवयुवकों को संबोधित करते हुये कहा की आप लोग स्वरोजगारपरक व्यवसाय जैसे मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, मौसमी फलों, सब्जियों, अनाज एवं दालों मे मूल्य सम्बर्धन,

मोमबत्ती उत्पादन, वर्मी कंपोस्ट, नर्सरी, पशुपालन, मत्स्य पालन आदि को अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। डॉ0 सिंह ने तकनीकी बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुये मशरूम उत्पादन, मौसमी फलों, सब्जियों, अनाज एवं दालों मे मूल्य सम्बर्धन, मोमबत्ती उत्पादन, वर्मी कंपोस्ट, नर्सरी उत्पादन की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

साथ ही साथ पर्यावरण सरंक्षण के लिये अधिक से अधिक पौध रोपण करने, रोज मर्रा के कार्यों में प्लास्टिक के प्रयोग से दूर रहने तथा जल संरक्षण करने का अनुरोध किया जिससे पर्यावरण का संतुलन बना रहे।

इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक अमरनाथ सिंह, उमेश कुमार सिंह एवं अजय त्रिपाठी तथा पंडित दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य विकास योजना के दीपक कुमार, रवि यादव, मनोज वर्मा, प्रदीप सिंह आदि मौजूद थे।

तकनीकी खराबी से नहीं उड़ सका विमान, हंगामा

लखनऊ। गो एयर की एक उड़ान निरस्त होने के अलावां इस एयर लाइन की तीन अन्य उड़ाने भी देर से रवाना हई। दोपहर 12:20 बजे कोलकाता जाने वाली इण्डिगो उड़ान 12:52 बजे गई। जबकि 14:15 बजे दिल्ली जाने वाली एयर इण्डिया की

ङ्गएआई–991) उड़ान 15:08 बजे रवाना हुई। इसके अलावां जेट एयरवेज की दिल्ली जाने वाली उड़ान ङ्ग9डब्ल्यू–856) व इत्याहाट की ङ्गईवाई–8979) 15रू40 के बजाए 16रू30 बजे गई। गो एयर की हैदराबाद जाने वाली ङ्गजी–8/559) उड़ान 15:45 के बजाए 16:21 पर व जेद्दा जाने वाली साउदिया एयरलाइंस विमान ङ्गएसवी–891) 17:30 के स्थान पर 17रू44 पर रवाना हुआ। इस तरह गो एयर की उड़ान ङ्गजी–8ध्396) लखनऊ से मुंबई 17:55 के स्थान पर 18:30 बजे रवाना हुआ। जबकि दिल्ली जाने वाला गो एयर की उड़ान ङ्गजी–8/175) विमान को 18:30 बजे जाना था लेकिन यह विमान भी 19:30 बजे तक रवाना नही हो सका था।

दो तत्काल टिकटों के साथ दलाल गिरफ्तार किये

लखनऊ। लखनऊ सिटी आरक्षण केन्द्र में गुरुवार को आरपीएफ ने दो तत्काल टिकटों के साथ दलाल को गिरफ्तार किया। पकड़े गये दलाल के खिलाफ रेलवे एक्ट 143 के तहत कार्रवाई की गयी। आरपीएफ के इंस्पेक्टर एमके खान ने बताया कि आरोपी के पास से मुम्बई व गोरखपुर का एक तत्काल टिकट बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया आरोपी मंसूरनगर निवासी सादिक हुसैन के रूप में हुई है। इसके पास आरक्षित टिकट जिसमें से एक पुष्पक एक्सप्रेस का लखनऊ से मुम्बई का तत्काल टिकट व ट्रेन 15008 का लखनऊ–गोरखपुर का टिकट बरामद हुआ है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह पांच सौ रुपये अधिक लेकर लोगों के टिकट बनाने का काम करता है।

84 यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रहा था विमान

सरोजनीनगर–लखनऊ । राजधानी के चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से दिल्ली जाने वाला गो एयर के एक विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। जिसके चलते वह उड़ान नही भर सका। विमान में बोर्डिंग का इंतजार कर रहे यात्रियों को काफी देर तक कोई सूचना न मिलने पर जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचे एयरलाइन एवं एयरपोर्ट अधिकारियों ने यात्रियों को समझा–बुझा कर शांत कराया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से दोपहर गो एयर का विमान (जी–8/269) से 84 यात्रियों को दिल्ली जाना था। लेकिन उक्त विमान में अचानक तकनीकी खराबी आने के चलते उसके पायलट ने विमान को उड़ाने से मना कर दिया। लेकिन एयर लाइंस की तरफ से यात्रियों को काफी देर तक कोई जानकारी नही दी गई।

विमान में बोर्डिंग करने का इंतजार कर रहे यात्रियों को जब विमान में तकनीकी खराबी आने की जानकारी हुई तो उन्होंने दूसरे विमान से भेजे जाने की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। घटना की जानकारी होने पर एयरपोर्ट एवं एयरलाइंस के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों को दूसरे विमान से भेजे जाने का आश्वासन दिया।

इंटरसिटी में लावारिस दशा में मिली बालिका

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलये लखनऊ जंक्शन पर गुरुवार को गोरखपुर इंटरसिटी में यात्रियों की सूचना पर जीआरपी को लावारिस दशा में बालिका मिली। जीआरपी ने बताया कि बालिका से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह घर से बिना बतायें चली आयी थी वह घर जाना चाहती है। जीआरपी ने बताया कि शाहजहांपुर के पराजरसा, निगोही निवासी बालिका परिजनों को सूचना दे दी गयी है। फिलहाल बालिका को चाइल्ड लाइन के सौंपा दिया गया है।

बछरांवा : भ्रष्टाचार का बोलबाला सभी विकास कार्य ठप

रायबरेली। बछरावां विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामपुर मोहिद्दीन चनत गांव मलिकपुर सरैया में भ्रष्टाचार के चलते कोई भी कार्य नहीं हो पा रहे हैं लोगों को कीचड़ के रास्ते से जाना पड़ता है यहां पर कोई गली–गली आ रहे नहीं दुरुस्त है गरीब परिवारों को आवास भी नहीं मिल रहे हैं लोगों के राशन कार्ड भी नहीं बने हैं लोक निर्माण विभाग रोड को गड्ढा मुक्त नहीं कराया ना तो डामरीकरण कराया कल लोक निर्माण विभाग के जेई आए हुए थे तो ग्रामीणों ने रोड सही कराने के लिए कहा था उन्होंने कहा इस रोड के लिए बजट उपलब्ध नहीं है

राजधानी में डेंगू से पहली संदिग्ध मौत

लखनऊ । किंग जार्ज चिकित्सा विविद्यालय के ट्रामा सेंटर में डेंगू से मरीज की मौत हो गयी। यह मरीज बाजार खाला के भदेंवा क्षेत्र का निवासी था और इसे बीती रात हालत गंभीर होने पर भर्ती कराया गया था।

इलाज के दौरान डाक्टरों ने प्लेटलेट्स कम होने व शरीर पर लाल चकत्ते पाये जाने के आधार पर डेंगू की जांच कराने के लिए कहा था। जांच होती इससे पहले उसकी मौत हो गयी। फिलहाल स्वास्य विभाग को अभी डेंगू से मौत की जानकारी नही है। बाजारखाला के भदेंवा निवासी राजू को चार दिन पहले बुखार आया था। परिजनों ने स्थानीय डाक्टर से इलाज करा रहे थे।

हालत बिगड़ने पर वहीं भर्ती भी कराया गया था, परन्तु बुखार न उतरने व प्लेटलेट्स 35 हजार से भी नीचे आने के बाद केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में बीतीरात भर्ती कराया गया था। ट्रामा सेंटर में भर्ती के बाद जांच करने पर डाक्टरों ने राजू की हालत काफी गंभीर बतायी थी। डाक्टरों ने इलाज तो तुरंत शुरू कर दिया था, लेकिन डाक्टरों को पल्स भी कम बतायी थी।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में पॉलिथिन और प्लास्टिक उपयोग पर प्रतिबंध की घोषणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने तीसरी बार प्रदेश में आगामी 15 जुलाई से पॉलिथिन और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। बाराबंकी में वृक्षरोपण कार्यक्रम समारोह के दौरान शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में 15 जुलाई से पॉलिथिन और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जायेगा। उन्होंने कहा 15 जुलाई के बाद प्रदेश में प्लास्टिक और पॉलिथिन का उपयोग न, हो इसके लिए हम सबको मिलकर काम करना है। श्री योगी ने पर्यावरण को बचाने के लिए सबसे सहयोग की अपील की करते हुए कहा कि 15 जुलाई के बाद पर्यावरण को नुकसान पहुंचने वाले प्लास्टिक से बनी सामग्री एवं सामान के उपयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदेश में नौ करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। श्री योगी ने शुक्रवार को बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र में लोधेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित वन महोत्सव में कहा कि इन पौधो के लगने से जमीन में नमी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते 15 जुलाई से पूरे प्रदेश में पॉलीथिन (प्लास्टिक) को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कहा कि इस साल वन महोत्सव का कार्यक्रम करने के लिए इस जगह को इसलिए चुना गया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान

मुझे यह शिकायत मिली थी कि महादेवा के साथ भेदभाव होता है। मुझे लोगों ने बताया था कि इस स्थान पर बिजली नहीं आती है पिछली सरकार में इस क्षेत्र को उपेक्षित रखा गया था लेकिन हमारी सरकार ने किसी के साथ भेदभाव नहीं किया, हमारा काम विकास करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने जाति और धर्म के भेदभाव को भुलाकर कई लाख लोगों को आवास, बिजली और रसोई गैस कनेक्शन दिए हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने पांच वर्षों में 63000 पौधे लगाए थे जबकि हमने 850000 पौधे लगाए हैं। हमारी सरकार ने पर्यटन को बढ़ाने के लिए बनारस, मथुरा, अयोध्या सहित अन्य धार्मिक स्थानों का विकास किया है साथ ही सड़कों का जाल बिछाया है तथा नदियों की सफाई की है। श्री योगी ने जनता का आवाहन किया कि हर आदमी अगर एक पेड़ लगाएं तो हमें आने वाले पीढ़ी को अच्छा वातावरण दे सकेंगे अगर जंगल नहीं होंते तो हमारा जीवन भी नहीं होता। हमारी सरकार किसी के साथ भेदभाव नहीं करती हम तो सभी को साथ लेकर विकास के रास्ते पर प्रदेश को देश में प्रथम स्थान पर लाना चाहाते है। यह काम आपके सहयोग के बैगर नहीं हो सकता है। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हमें सौगात के रूप में हरे भरे जंगल एवं नदियां दी थी लेकिन जंगल की कटाई के चलते पर्यावरण दूषित होने से आज हालात ऐसे है कि सांस लेना भी दूभर हो गया है। हमें सोचना होगा कि हम आने वाली पीढी को क्या देंगे जब हमारे देश में जंगल नहीं होंगे और नदिया साफ नहीं होगी। इसके लिए हमें सब को मिलकर कसम खानी होगी कि हर आदमी एक पौधा लगाएगा और उसकी सुरक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि अगर हम अपने आने वाले बच्चों को स्वस्थ देखना चाहते हैं तो हमें जंगल, वन एवं नदियों की ओर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहां की वेद एवं कुरान में भी जंगलों एवं नदियों का महत्व बताया गया है। हमें परिवार और पर्यावरण को साफ रखना है तो हमें जंगल की सुरक्षा करनी पड़ेगी। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी हमारी पर्यावरण जीत की तारीफ की है। उत्तर प्रदेश से हमारा बहुत पुराना साथ रहा है, क्योंकि कानपुर से ही हमने डॉक्टरी की पढ़ाई की है इसलिए यह प्रदेश हमें अपना प्रदेश लगता है। साथी आज लोधेश्वर महादेव मंदिर में पूजा कर कर हमें जो शांति मिली है वह शायद पहले कभी नहीं मिली थी समारोह से पूर्व दोनों नेताओं ने लोधेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की।

गौरतलब है कि उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को 18 नवम्बर 2015 को वर्ष के अंत तक राज्य भर में पॉलिथिन की ब्रिकी पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने के लिए एक अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया था। उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने दिसम्बर 2015 में 40 माइक्रोन मोटाई और नीचे के पॉलिथिन कैरी बैग के वितरण, निर्माण और बिक्री पर पूरी तरह से प्रदेशभर में प्रतिबंध को मंजूरी दी थी तथा 21 जनवरी 2016 से राज्य सरकार ने प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था।

डीआरएम कार्यालय में ''कम्प्यूटर वॉइस टाइपिंग' पर कार्यशाला

लखनऊ। हजरतगंज स्थित उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल कार्यालय के सभागार में बुधवार को राजभाषा विभाग ने ''कंप्यूटर वॉइस टाइपिंग कार्यशाला' आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन अपर मण्डल रेल प्रबन्धकध्इन्फ्रा. काजी मेराज अहमद ने किया। इस अवसर पर अपर मुख्य राजभाषा अधिकारीध्अपर मण्डल रेल प्रबंधक अमित श्रीवास्तव ने कंप्यूटर वॉइस टाइपिंग संबंधी अपने अनुभवों को रेलकर्मियों से साझा किया। मुख्यालय से आये वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने इस विषय पर व्याख्यान देकर रेलकर्मियों को कंप्यूटर पर हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर वरिष्ठ अनुवादक रनजीत सिंह ने कंप्यूटर वॉइस टाइपिंग का डेमो प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया । कार्यशाला में वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियरध्कर्षण शोभित गुप्ता ने सहभागिता की तथा मंडल कार्यालय के कुल 85 रेलकर्मी लाभान्वित हुए। इसी क्रम में अपराह्न 15.30 बजे मण्डल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष–2018 की दूसरी बैठक हुई। इसकी भी अध्यक्षता श्री मेराज अहमद ने की। राजभाषा अधिकारी प्रेम नारायण ने मण्डल में राजभाषा प्रयोग के बारे में बताया और काव्यपाठ किया।

बकाया वेतन न मिलने पर सिटी बसों का चक्काजाम की धमकी

लखनऊ। लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के तहत राजधानी में सिटी बसों का संचलन होता है। संविदाकर्मियों को तीन महीने से वेतन नहीं मिल रहा है। इसको लेकर नाराज ड्राइवर–कंडक्टर के अलावा वर्कशाप में मैकेनिकों ने गोमतीनगर बस डिपो में जमकर हंगामा किया। बकाये वेतन को लेकर डिपो के एआरएम से हुई वार्ता विफल रही। इस बीच मामले को शांत कराने पहुंचे डिपो इंचार्ज से झड़प हुई। बदले में नाराज कर्मियों ने दोपहर दो बजे के बाद दो दर्जन सिटी बसों का संचालन ठप रखा। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सेंट्रल रीजनल वर्कशाप कर्मचारी संघ के नेताओं ने बताया कि गोमतीनगर व दुब्बगा डिपो पर एक हजार से ज्यादा ऐसे संविदा कर्मचारी तैनात है जिन्हें कई माह से वेतन नहीं मिला इस संबंध में गोमतीनगर डिपो के एआरएम अशोक महरोत्रा से बात की गई तो उन्होंने शासन से पैसा नहीं मिलने का हवाला देते हुए बकाया वेतन देने से इंकार कर दिया। नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि समय रहते वेतन नहीं मिला तो चालक परिचालक कार्य बहिष्कार करेंगे। सिटी बसों का संचालन ठप होगा।

संस्कृति राय हत्याकाण्ड में पुलिस ने सीतापुर से टेम्पो चालक को उठाया

लखनऊ। पालीटेक्निक छात्रा संस्कृति राय हत्याकाण्ड के तार सीतापुर से जुड़े हैं। बुधवार को गाजीपुर पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने सीतापुर के रामपुर कला थाना क्षेत्र से एक टेम्पो चालक को दबोच लिया। पुलिस उसे लेकर लखनऊ के लिए रवाना हो गयी है। बताया जा रहा है कि चालक लखनऊ में ही टेम्पो चलाता था। फिलहाल पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों की मानें तो गलत काम में असफल होने पर संस्कृति की हत्या की गयी थी।बताते चलें कि मूल रूप से बलिया निवासी 20 वर्षीय संस्कृति राय पॉलीटेक्निक द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। बीते 22 जून की सुबह छात्रा का शव मड़ियांव के आईआईएम रोड स्थित करियर डेंटल कॉलेज के पास हाइवे किनारे खेत में मिला था। छात्रा के कपड़े अस्त–व्यस्त थे और सिर व शरीर पर चोटों के निशान थे। मड़ियांव पुलिस ने मृतका की फोटो सोशल मीडिया पर वॉयरल की, जिससे उसकी पहचान हुई थी। बताया गया था कि बीते 21 जून की देर शाम संस्कृति छपरा एक्सप्रेस

लखनऊ पुलिस खुलासे के करीब, टेम्पो चालक से मिले अहम सुराग

से बलिया जाने की बात कहकर बादशाहनगर स्टेशन के लिए निकली थी लेकिन वहां नहीं पहुंची। सहेली स्टेशन पर इंतजार कर अकेले ही ट्रेन पर सवार हो गयी थी और छात्रा के घरवालों को सूचना दी थी। पड़ताल के दौरान पुलिस ने तीन युवकों पर शक जताते हुए नाकरे टेस्ट की मांग की थी। एफएसएल द्वारा तारीख मिलने पर तीनों संदिग्धों का नाकरे व पॉलीग्राफ टेस्ट होना है।पुलिस सर्विलांस की मदद से खुलासे के प्रयास कर रही थी। इसी बीच बुधवार को क्राइम ब्रांच व गाजीपुर पुलिस की दो टीमें सीतापुर पहुंची। संयुक्त टीम ने रामपुर कला से टेम्पो चालक राजेश उर्फ दीपू पुत्र माता प्रसाद को पकड़ा और लखनऊ के लिए रवाना हो गयी। लखनऊ पुलिस के इस ऑपरेशन की भनक सीतापुर पुलिस को तब हुई, जब टीमें यहां से चली गयीं।सीतापुर में तैनात एएसपी महेन्द्र प्रताप का कहना है कि टेम्पो चालक राजेश उर्फ दीपू रामपुर कला थाना क्षेत्र के जाननगर का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों की मानें तो राजेश लखनऊ में ही टेम्पो चलाता है। बीते 21 जून की देर शाम राजेश के टेम्पो पर इन्दिरानगर से बादशाहनगर के लिए सवार हुई थी। सर्विलांस की मदद से पड़ताल के दौरान पुलिस को छात्रा की आखिरी लोकेशन टेढ़ी पुलिया पर मिली थी। लखनऊ पुलिस का कहना है कि टेम्पो चालक राजेश से पूछताछ की जा रही है।

एयरपोर्ट के अंदर बंदर से मचा हड़कंप

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट के अंदर मंगलवार देर शाम अचानक एक बंदर आ जाने से हड़कंप मच गया। इसकी जानकारी एयरपोर्ट अधिकारियों को मिली तो उनके हाथ–पांव फूल गए। आनन–फानन किसी तरह सफाई कर्मचारियों को लगा कर बंदर को वहां से भगाया गया। एयरपोर्ट सूत्रों की माने तो मंगलवार देर शाम अमौसी एयरपोर्ट न्यू टर्मिनल बिल्डिंग की छत पर अचानक एक बंदर के दिखाई पड़ने से वहां पर कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल हो गया। रनवे की तरफ बिल्डिंग की छत पर चढ़ा बंदर खूब उछल–कूद मचा रहा था। तभी कर्मचारियों की नजर उस पर पड़ी और उन्होंने इसकी सूचना अधिकारियों को दी।एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग की छत पर बंदर देख कर यात्री भी सहम गए। बंदर इतना उत्पाती था कि छत पर बराबर इधर–उधर उछल कूद करने के साथ ही यात्रियों को देखते ही उनकी तरफ लपकने की कोशिश कर रहा था।

जालसाजों ने चचेरे भाई–बहन समेत आठ लोगों से 23.50 लाख रुपये ऐंठे

लखनऊ। रेलवे में टीसी, क्लर्क व चपरासी के पद पर नौकरी का झांसा देकर जालसाजों ने चचेरे भाई–बहन समेत आठ लोगों से 23.50 लाख रुपये ऐंठ लिए। जालसाजों ने सभी से रकम नकद में ली और फिर जाली नियुक्ति पत्र समेत अन्य दस्तावेज थमा दिये। फर्जीवाड़ा सामने आने पर पीड़ितों ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपितों ने धमकी दी। पीड़ितों ने एसएसपी व डीएम से शिकायत की। मदद न मिलने पर कोर्ट में गुहार लगायी।

कोर्ट के आदेश पर कृष्णानगर पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।आलमबाग के विशेश्वरनगर इलाके में रिटार्यड रेलकर्मी सत्य नारायण शुक्ला परिवार के साथ रहते हैं। सत्य नारायण की जान पहचान रेलवे के रिटार्यड कर्मचारी राम सहाय श्रीवास्तव निवासी कृष्णानगर से थी। कुछ महीनों पहले राम सहाय ने परिचित सत्य नारायण को बताया कि रेलवे में टीसी, क्लर्क, चपरासी समेत कई पदों पर सैकड़ों भर्तियां निकली हैं।

राम सहाय ने अपनी ऊंची पहुंच का रौंब दिखाते हुए कहा कि वह किसी की भी आसानी से नौकरी लगवा सकता है। राम सहाय के झांसे में फंसे सत्य नारायण ने बेटे आदित्य की रेलवे में चपरासी के पद पर नौकरी के लिए बात की। राम सहाय ने नौकरी का आश्वासन देते हुए ढाई लाख रुपये नकद देने की मांग की। बेटे की नौकरी के लिए सत्य नारायण ने एक लाख रुपये बतौर एडवांस राम सहाय के घर पर उन्हें दे दिये। शेष डेढ़ लाख रुपये उन्होंने राम सहाय को ऊषा श्रीवास्तव, बबिता वर्मा व अरविंद कुमार की मौजूदगी में दिये। कुछ वक्त बीतने के बाद राम सहाय ने आदित्य को चपरासी के पद पर नौकरी का नियुक्ति पत्र थमा दिया।साथ ही नौकरी से संबंधित अन्य दस्तावेज भी सौंप दिये। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद जब सत्य नारायण व बेटे आदित्य ने पड़ताल करायी तो पता चला कि पत्र जाली है। फर्जीवाड़ा पता चलने पर सत्य नारायण ने राम सहाय व अन्य से सम्पर्क कर अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि आरोपितों ने रुपये देने से इंकार करते हुए फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी दी।पीड़ित सत्य नारायण ने एसएसपी व डीएम से मुलाकात कर मामले की शिकायत की लेकिन मदद नहीं मिली। कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कोर्ट के आदेश पर कृष्णानगर पुलिस ने राम सहाय श्रीवास्तव, उषा श्रीवास्तव, बबिता वर्मा व अरविंद के खिलाफ धोखाधड़ी समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़ित सत्य नारायण का कहना है कि जालसाजों ने आदित्य की चचेरी बहन सोनिया को भी क्लर्क की नौकरी दिलाने के नाम पर तीन लाख रुपये ठगे थे। इसके अलावा एलडीए कालोनी निवासी नेहा वर्मा क्लर्क के पद के लिए दो लाख रुपये, मिर्जापुर निवासी राकेश प्रताप से खलासी के पद के लिए दो लाख, निशा गौतम से क्लर्क के नाम पर तीन लाख, मिर्जापुर निवासी विजय कुमार से खलासी के लिए तीन लाख, मिर्जापुर निवासी राहुल राजदान से खलासी के लिए तीन लाख और रायबरेली निवासी परमेश कुमार को टीसी के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपये ठगे गये थे।

दबंग ठेकेदार के कारनामों ने जनता को कर रखा है परेशान, एक लाइसेंस पर चला रहे दो दुकान

लखनऊ। जहां उत्तर प्रदेश सरकार लगातार कानून व्यवस्था दुरुस्त करने में लगी है। वहीं राजधानी के अलीनगर सुनहरा में शराब ठेकेदार की दबंगई के आगे अलीनगर सुनहरा निवासी बेबस नजर आ रहे हैं।

शराब ठेकेदार एक लाइसेंस पर दो दुकानें खोल रहे हैं, जिसका स्थानीय

निवासी विरोध कर रहे हैं। लेकिन प्रशासन और आला अधिकारी इनकी एक नही सुन रहे।

विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि यह एक आवासीय इलाका है। जहां आस–पास लोग रहते हैं। यहां पास में स्कूल भी है। जहां लड़कियां पढ़ती है। ऐसे में अगर यहां शराब ठेका खुलेगा तो जीना हराम हो जाएगा।

वहीं स्थानीय निवासी गीता सिंह ने बताया कि अलीनगर सुनहरा में कन्हैया लाल की देसी शराब की दुकान पिछले 10 वर्षों से आबादी से थोड़ा हटके चल रही है। जिसकी उप–दुकान अब नारायण पुरी में खोल रहे हैं। जो की घनी आबादी के अंदर है।

अगल–बगल परिवार रहते हैं। 100 मीटर के आसपास स्कूल भी हैं। इसके विरोध में सैकड़ों महिलाओं ने एकत्रित होकर इसका विरोध किया। लेकिन ठेकेदार जिस जमीन पर ठेका खोल रहा है। उस जमीन के मालिक दिग्विजय यादव और रामकिशोर यादव के दबंगई के आगे प्रशासन की भी नहीं चल रही।

वहीं निवासियों ने बताया पहले से चल रही शराब की दुकान बस्ती से दूर होने के बावजूद भी दारू पीकर लोग लड़कियों को आते–जाते हुए छेड़खानी करतें हैं।

इसकी वजह से आये दिन झगड़े होते रहते हैं। दारू की दुकान बस्ती के बीच में आ जाएगी, तो बहू–बेटियां कैसे रहेंगे सुरक्षित? वहीं गीता ने बताया कि कल जिलाधिकारी जी को ज्ञापन दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि 12 घंटे का टाइम आप हमको दीजिए दुकान हटवा देंगे। लेकिन समय बीतने के बाद भी कोई अधिकारी देखने तक नहीं आया। इसी बात को लेकर जनता आक्रोशित है।

रुपये से भरा बैग सिपाही ने लौटाया

लखनऊ। पारा थाने में तैनात सिपाही प्रमोद कुमार ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए ऑटो में छूटा बैग उसकी मालकिन परवीन के पास पहुंचा दिया। हुआ कुछ यूं कि उन्नाव के माखी निवासी परवीन बुधवार को बुद्धेश्वर चौराहे के पास ऑटो से उतरी थी। कुछ दूर आगे जाने के बाद उसे बैग की याद आयी। वह पलटकर आयी लेकिन ऑटो वहां नहीं था। वहां मौजूद सिपाही प्रमोद ने परवीन को परेशान देख पूछताछ की और फिर उनका बैग उन्हें सौंप दिया। उनका कहना है कि बैग में चार हजार रुपये व अन्य सामान था।

गंदगी व बिना रजिस्ट्रेशन चलती मिलीं मेस व कैंटीन

लखनऊ। राजधानी में दूसरे दिन भी अस्पतालों की कैंटीनों और मेस पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) की कार्रवाई जारी रही। अलग–अलग टीमों द्वारा अस्पतालों की कैंटीनों व मेस का निरीक्षण कर लोगों को जागरूक किया गया। टीम को कई जगह कैंटीन बिना लाइसेंस व गंदगी के बीच चलती मिलीं। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश मिश्रा ने बताया कि राजकीय नर्सिग होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं गर्ल्स और ब्वायज की दोनों मेसों में साफ–सफाई असंतोषजनक पायी गई लेकिन कोई जिम्मेदार सामने नहीं आया। फातिमा अस्पताल के सामने बिना रजिस्ट्रेशन के गंदगी के बीच एक टी स्टाल और भोजनालय गंदगी के बीच संचालित मिला। जिस पर एक सप्ताह में सुधार करने के साथ रजिस्ट्रेशन करने को कहा गया। आईटीआई अलीगंज स्थित मेस बिना लाइसेंस संचालित पायी गयी और रा मैटेरियल असुरक्षित तरीके से रखा मिला, जिस पर एक सप्ताह का समय सुधार और रजिस्ट्रेशन के लिए दिया गया। स्पोर्ट्स कालेज की किचन में पानी जमा मिला और खाद्य पदार्थ बिना ढके खुले में रखे पाये गए।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मारपीट का मामला, उच्च न्यायालय में पेश हुए कुलपति

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने गत चार जुलाई को लखनऊ विश्वविद्यालय में हुए उपद्रव में पुलिस की भूमिका पर नाराजगी जाहिर करते हुए इस घटना में शामिल छात्रों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया है। मामले में गुरुवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने स्वतरू संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओ.पी. सिंह को तलब किया था। शुक्रवार को डीजीपी ओ.पी. सिंह जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस राजेश सिंह चौहान की न्यायालय में पेश हुए। सुनवाई के दौरान प्रॉक्टर ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लखनऊ दीपक कुमार पर लापरवाही का आरोप लगाया। उच्च न्यायालय ने पूछा कि आशीष मिश्र बॉक्सर पर समय रहते कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई, जबकि उसके ऊपर पहले से ही प्राथमिकी दर्ज थी। जब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने उच्च न्यायलय को बताया कि पूर्व कुलपति डाक्टर रूप रेखवर्मा भी आंदोलनकारी छात्रों के साथ मौजूद थीं, तो न्यायालय ने कहा यदि साजिश में उनका हाथ है तो उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाये। लखनऊ विश्वविद्यालय की घटना पर उच्च न्यायालय ने पुलिस से हलफनामा दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 16 (शेष पृष्ठ 2 पर) स्वंकपदह... जुलाई को होगी।

न्यायालय ने कुलपति से विश्वविद्यालय में ऐसी घटना दोबारा न होने देने के लिए सुझाव भी मांगे। इससे पहले डीजीपी ओपी सिंह ने मामले की जांच पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ रेंज सुजीत पांडेय को सौंप दी है। वहीं क्षेत्राधिकारी महानगर अनुराग सिंह को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इसके अलावा लखनऊ यूनिवर्सिटी के चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया है। डीजीपी ने घटना को लेकर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने मामले में सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिये हैं। डीजीपी ने विश्वविद्यालय के कुलपति और अध्यापकों से भी मुलाकात की और उन्हें कैम्पस की सुरक्षा दुरूस्त करने का आश्वासन दिया। उधर यूनिवर्सिटी से संबद्ध डिग्री कॉलेजों ने भी मामले में शुक्रवार से दाखिले बंद रखने का ऐलान कर दिया है। दूसरी तरफ राजभवन ने मामले की पूरी रिपोर्ट लखनऊ विश्वविद्यालय से मांगी है। लखनऊ यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन की जनरल बॉडी मीटिंग में फैसला लिया गया है कि जब तक दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होती और लापरवाही करने वाले पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं की जाती, शिक्षकों का कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। वहीं यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन के समर्थन में संबद्ध डिग्री कॉलेजों के टीचर्स की एसोसिएशन लुआक्टा ने भी छह जुलाई से डिग्री कॉलेजों में दाखिले बंद कराने की बात कही है। विश्वविद्यालय में सुरक्षा को देखते हुए चप्पे–चप्पे पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एस.पी. सिंह ने कहा कि हम लगातार स्थिति को सामान्य बनाने की कोशिशें कर रहे हैं। कई स्तर पर जिला प्रशासन से लेकर राजभवन तक वार्ता चल रही है।

सम्पादकीय

नवाज को सजा

पाकिस्तान में नवाज शरीफ एवं उनके परिवार को मिली सजा के बाद यह प्रश्न स्वाभाविक ही उठता है कि आखिर वहां की राजनीति अब किस दिशा में जाएगी और भारत से उसके संबंध कैसे रहेंगे? बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद शरीफ राष्ट्रीय स्तर पर एकमात्र जनाधार वाले नेता बच गए थे। इमरान खान एक नेता के तौर पर उभरे जरूर हैं, किंतु उनकी पार्टी का वैसा संगठन नहीं जैसा नवाज के पाकिस्तान मुस्लिम लीग–एन का है। शरीफ ने धीरे–धीरे अपनी बेटी मरियम को राजनीति में सक्रिय किया था। मरियम भी चुनाव में खड़ीं थीं। मरियम पति–पत्नी को भी सजा मिल गई है। मरियम की उम्मीदवारी को चुनाव आयोग ने रद्द कर दिया है। नवाज के भाई शहबाज शरीफ पंजाब के मुख्यमंत्री हैं, पर उनकी देशव्यापी वैसी छवि नहीं है। शहबाज पार्टी के नेता के रूप में स्वीकार्य होंगे और देश भी उनको स्वीकार कर लेगा ऐसी स्थिति इस समय नहीं है। ऐन चुनाव के बीच यह फैसला पाकिस्तान की राजनीति में खालीपन लेकर आया है। हालांकि पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने नवाज को पहले ही चुनाव लड़ने और पार्टी में कोई पद लेने के अयोग्य ठहरा दिया था, इसलिए वो प्रत्यक्ष तो नेतृत्व नहीं कर सकते थे पर उनकी उपस्थिति बड़ा असर डालती। वे अपनी पत्नी के इलाज के लिए लंदन जाने के पहले प्रचार तो कर ही रहे थे। दूसरी ओर, बेनजीर भुट्टो के बाद पीपीपी भले हत्या की सहानुभूति में सत्ता में आ गई मगर आसिफ अली जरदारी या बिलाल भुट्टो का वह कद नहीं बन पाया है। परवेज मुशर्रफ के राजनीतिक भविष्य को वहां के न्यायालयों में विराजमान कट्टरपंथियों ने खत्म कर दिया है। इस तरह राष्ट्रीय स्तर पर ले–देकर इमरान खान बचते हैं। सेना उनकी पीठ पर है और न्यायपालिका के कट्टरपंथियों का भी उनको समर्थन है। अगर तहरीक–ए–इंसाफ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरती है तो सेना उनकी सरकार गठित करने में भूमिका निभा सकती है। जाहिर है, वैसी स्थिति में उनके शासन में सेना की भूमिका ज्यादा प्रबल होगी। नवाज ने कोशिश की थी सेना, आईएसआई और कट्टरपंथियों से मुक्त होकर शासन चलाने, भारत से संबंध सुधारने और आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तो उनकी ऐसी दशा कर दी गई। उसके बाद कौन होगा जो निकट भविष्य में अपनी राजनीति को ऐसी जोखिम में डालेगा?

जद यू-भाजपा रहेंगे साथ

जनता दल यू की राजधानी दिल्ली में आयोजित कार्यकारिणी के बाद तत्काल उसके राजग में रहने या बाहर जाने संबंधी अटकलें खत्म हो जानी चाहिए। अपने प्रस्ताव में पार्टी ने राजग का भाग होने की बात कही है। स्वयं नीतीश कुमार ने अपने भाषण में गठबंधन को जारी रखने पर जोर दिया। उल्टे उन्होंने यह कहा कि कांग्रेस जब तक भ्रष्टाचार पर अपना मत स्पष्ट नहीं करती तब तक उसके बारे में कुछ सोचा ही नहीं जा सकता। भ्रष्टाचार से इनका इशारा लालू प्रसाद के परिवार से ही था। इसका संदेश यह था कि हमने लालू परिवार के ज्यादातर सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण साथ छोड़ा है, और इसमें संशोधन की कोई गुंजाइश नहीं है। पार्टी भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करेगी, इस स्पष्ट वक्तव्य का अर्थ ही यही है। कार्यकारिणी के कुछ समय पहले तक ये अटकलें चल रही थीं कि जद यू लोक सभा चुनाव में सीटों के बंटवारे पर

कड़ा रु ख अपना रही है यानी अगर मनमाफिक सीटें नहीं मिलीं तो जद यू गठबंधन से अलग हो सकती है। नोटबंदी पर नीतीश कुमार के प्रतिकूल बयान का अर्थ भी यही निकाला गया कि वे धीरे–धीरे फिर भाजपा से दूरी बढ़ाने की ओर बढ़ रहे हैं। कम से कम इस समय तो इसकी संभावना पार्टी ने खत्म कर दी है। हालांकि इसका यह अर्थ नहीं कि भविष्य में कोई समस्या नहीं होगी। बिहार में राजग के अंदर अभी जितने घटक हैं, उनके बीच सीट बंटवारों पर समस्या होनी तय है। जद यू अगर भाजपा के साथ अपने पुराने संबंधों के समय के अनुसार सीटें चाहेगी तो यह पूरा नहीं हो सकता। उस समय भाजपा ने जद यू को प्रदेश में बड़े भाई के रूप में मान लिया था। आज भी विधानसभा में जद यू की सीटें भाजपा से ज्यादा हैं, लेकिन लोक सभा की स्थिति भिन्न है। उसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। उसके बाद लोजपा है तथा तीसरे नम्बर पर रालोसपा है। जद यू का स्थान गठबंधन में चौथा है। इसमें सीट बंटवारा काफी कठिन हो गया है। नीतीश कुमार ने अपने भाषण में कहा भी कि अभी तय होने दीजिए, अगर हम संतुष्ट हुए तो ठीक, नहीं तो देखेंगे। यही संतुष्ट होने और देखेंगे में भविष्य की सारी संभावनाएं छिपी हुई हैं। हालांकि नीतीश कुमार के सामने भी समस्या है कि अगर वे सीट बंटवारे से संतुष्ट नहीं हुए तो क्या करेंगे? जिस राजद का साथ उन्होंने छोड़ दिया उसके साथ फिर से जाना आसान नहीं होगा।

जाकिर नाइक अब नहीं आएगा

यह समाचार निश्चय ही चिंतित करने वाला है कि जाकिर नाइक का इस समय भारत लाया जाना संभव नहीं है। मलयेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद से उसकी मुलाकात की तस्वीरें देखकर हर भारतीय का खून खौल गया होगा। जिस तरह उसके चेहरे पर मुस्कुराहट है, वह सामान्य बात नहीं है। भारत जैसे दुनिया के प्रभावशाली देश का भगोड़ा अपराधी जानते हुए किसी देश में इस तरह सरकारी मेहमान बनकर आराम और सुकून से रहता रहे, उसके चेहरे पर शिकन तक न हो और भारत कुछ न कर सके इससे पीड़ादायक स्थिति कुछ नहीं हो सकती। महाथिर का बयान है कि वह उसे भारत को प्रत्यर्पित नहीं करेंगे और कि उन्होंने नाइक को अपने यहां स्थायी रूप से रहने की इजाजत दी है। वस्तुतरू भारत ने अपनी ओर से तमाम सबूतों के साथ उसके प्रत्यर्पण की मांग की थी, जिसे मलयेशिया ने पिछले छह जुलाई को ठुकरा दिया था। अभी तक भारत की ओर से इस पर कोई अधिकृत वक्तव्य नहीं आया है। देखना है सरकार इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है। प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर, यह नौबत आई क्यों? जब दो वर्ष पूर्व वह देश से बाहर गया था, उस समय तक उसके खिलाफ जांच आरंभ हो चुकी थी। एनआईए चाहती तो उसे रोक सकती थी। न्यायालय से उसका पासपोर्ट जब्त करने तथा देश से बाहर न जाने का आदेश लिया जा सकता था। कोई बाधा नहीं थी। जाहिर है, यह एक बड़ी चूक थी। वैसे भी एक बार कोई बाहर चला गया तो उसे वापस लाना आसान नहीं होता। जाकिर नाइक की तकरीरों ने उसे पूरे इस्लामी जगत के एक बड़े वर्ग के बीच अपार लोकप्रियता दी है। हर इस्लामी देश में और वैसे दूसरे देशों में जहां–जहां मुसलमान हैं, उनमें भी बड़ा वर्ग उसका घोर समर्थक है। अनुमान लगाया जाना चाहिए था कि मजहबी प्रचारक के रूप में उसकी ख्याति, संपर्क, सम्मान उसकी वापसी के मार्ग का बड़ा रोड़ा साबित होगा। मलयेशिया उसे शरण नहीं देता तो कोई और देश दे देता। महाथिर पूर्व कार्यकाल के अपने बाद के दिनों में स्वयं इस्लामी कट्टरपंथ के प्रतीक बन चुके थे। उनके काल में बोया गया कट्टरपंथ का बीज ही आगे चलकर पल्लवित–पुष्पित हुआ। इसलिए उनसे ऐसे किसी व्यक्ति, जिसकी मजहबी प्रचारक के रूप में ख्याति है, और जिसके वहाबी विचारों से वे स्वयं भी परिचित हैं, को वे आसानी से तो भारत को सौंप नहीं सकते। इस तरह भारत के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं।

समन्वित खेती बढ़ायेगी कृषकों की आय

भारत में कृषि क्षेत्र में घटती आय के कारण नई पीढ़ी की रुझान इस क्षेत्रके प्रति कम होता जा रहा है। इससे भीषण खाद्य संकट पैदा होने की आशंका प्रबल है। जरूरी है कि इस क्षेत्र को आय के अर्थो में आकर्षक बनाया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न अवसरों पर अपने भाषणों में मंशा जताई है कि वर्ष 2022–23 तक किसानों की आय दोगुना होते देखना चाहते हैं। इस प्रयास की सफलता का मूल मंत्र है कृषि लागत में कमी और उत्पादकता में वृद्धि। लघु और सीमांत किसानों, जिनका रकबा दो से तीन एकड़ या उससे भी कम होता है, के पास खेती के अलावा अन्य विकल्प मौजूद नहीं हैं। उनके लिए सही फसल का चयन करना और उपज का वाजिब मूल्य मिलना बड़ी चुनौती है। कम जोत में उचित फसल या कृषि गतिविधियों का चयन कर कम लागत में उपज लेना अलग ही विधा है। इसे समन्वित कृषि कहा जाता है। किसान द्वारा उन गतिविधियों का चयन करना जो एक दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा जिनमें एक गतिविधि में पैदा होने वाले अवशेष या अपशिष्ट को दूसरी गतिविधियों में खाद एवं खाद्य के रूप में प्रयोग में लाया जा सके, समन्वित खेती का मुख्य सिद्धांत है। दरअसल, समन्वित खेती का सार यही है कि किसान अपने खेत में विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप इस प्रकार करें कि उत्पादकता बढ़े और साथ ही साथ निवेश लागत भी कम हो। किसान कौन–सी गतिविधि अपनाएं यह इस पर निर्भर करेगा कि उसकी कृषि भूमि की गुणवत्ता कैसी है, सिंचाई की क्या व्यवस्था है, उसे उपज का अच्छा बाजार मूल्य मिले और

नई गतिविधियों में प्रशिक्षित हो। समन्वित कृषि पण्राली किसानों के साथ–साथ वित्तीय संस्थाओं एवं बैंकों के लिए अपेक्षाकृत नई गतिविधि है। कृषि विविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र और अन्य संस्थाओं की ओर से कई मॉडल किसानों को सुझाए गए हैं, परंतु इनमें से ज्यादातर को मानकीकृत नहीं किया गया है। इसके चलते वित्तीय संस्थाएं और बैंक इन गतिविधियों को वित्त पोषण हेतु अपनाने में सहयोग नहीं दे पा रहे हैं। निकट वर्षो में मौसम परिवर्तन का भी खेती पर विपरीत असर पड़ने की आशंका है। देश में कृषिगत क्षेत्र का लगभग 65 प्रतिशत भाग वष पर आधारित है। ऐसे में मिश्रित या समन्वित खेती सुरक्षा कवच का काम करती है। जब एक खेत में एक ही साथ दो–या–दो से अधिक फसलें उगाई जाती हैं, तो संभावना होती है कि कोई फसल मौसम की असामान्यता के कारण नष्ट हो जाए तो भी दूसरी या तीसरी फसल बच सकती है। खेती योग्य भूमि पर जनसंख्या का बोझ निरंतर बढ़ता जा रहा है। ऐसी स्थिति में मिश्रित या समन्वित खेती से किसान प्रति इकाई भूमि से अधिक उत्पादन ले सकते हैं। जहां पानी की कमी नहीं है, उन क्षेत्रों में पेड़–पौधे लगाने की योजना इस प्रकार हो सकती है–खेत की मेड़ों पर पीछे की ओर शीशम और बबूल जैसी इमारती लकड़ी के वृक्ष और सामने की ओर कलमी आम, पपीता, अमरूद, नींबू और संतरा जैसे फलों के वृक्ष लगाने चाहिए। स्वादिष्ट शाक–सब्जी के रूप में काम आने वाले कटहल के भी एक–दो वृक्ष उगाए जा सकते हैं। मिश्रित या समन्वित खेती द्वारा मनुष्य, पशु, वृक्ष और भूमि सभी एक सूत्र में बंध जाते हैं। इस प्रकार की कृषि व्यवस्था में प्रत्येक परिवार गाय, भैंस, बैलों की जोड़ी और, संभव हो तो, मुर्गियां भी पाल सकता है। संभव हो तो किसान अपने फार्म में छोटे से कुंड में मछलियां भी पाल सकता है।राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) भी सहयोगी बैंकों और गैर–सरकारी संगठनों को इन गतिविधियों पर जानकारियां और प्रशिक्षण दे रहा है। छोटे राज्य, पूर्वोत्तर राज्यों एवं सभी पहाड़ी राज्यों के लिए यह कृषि पद्धति उपयोगी साबित होगी। जरूरत है कि इस तकनीक का ज्यादा से ज्यादा प्रचार–प्रसार हो और राज्यवार एवं क्षेत्रवार उचित मॉडल विकसित हों तथा उनकी जानकारी बैंकों और किसानों को दी जाएं। शुरु आती तौर पर समन्वित कृषि पण्राली को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से, विशेषकर लघु एवं सीमांत किसानों के लिए, कुछ अनुदान योजना भी घोषित करने की आवश्यकता होगी। विभिन्न मॉडलों का अध्ययन करने के बाद महसूस किया गया है कि जो किसान समन्वित कृषि पण्राली अपनाते हैं, उनकी आमदनी अन्य किसानों की अपेक्षा तीन से चार गुना तक बढ़ाई जा सकती है। घटती हुई कृषि योग्य भूमि और बढ़ती हुई आबादी को खिलाने के लिए यह अत्यावश्यक है कि प्रति हेक्टेयर उपज बढ़ाई जाए। इसके लिए समन्वित कृषि पण्राली एक प्रमुख माध्यम है। उन क्षेत्रों में जहां रोजगार के साधन कम हैं, वहां पर इसको अपनाने से लोगों को अधिक रोजगार मिलेगा।

चैन उड़ाती बढ़ती आबादी

प्रति वर्ष विश्व समुदाय ग्यारह जुलाईको विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन विश्व के तमाम लोगों को जनसंख्या से संबंधित मुद्दों और समस्याओं के प्रति संकल्पबद्ध होने का अवसर होता है। 1989 में यूनाइटेड नेशंस डवलपमेंट प्रोग्राम की गर्वनिंग काउंसिल ने सिफारिश की थी कि प्रति वर्ष ग्यारह जुलाईको विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। इस पहल के प्रथम वर्ष में ही विश्व के करीब 90 देशों ने शिरकत की थी। इस बार आयोजन की थीम है, परिवार नियोजन मानवाधिकार है। भारत परिवार कल्याण कार्यक्रमों में 1952 से ही अग्रणी भूमिका में रहा है। 2018 के आंकड़ों के मुताबिक, भारत विश्व का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या (करीब 135 करोड़) वाला देश है। चीन पहले स्थान पर है। भारत के बाद क्रमशरू अमेरिका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, नाइजीरिया, बांग्लादेश, रूस और जापान का स्थान है। भारत की आबादी में करीब 32 प्रतिशत लोग शहरी (2016 में 429,802,441) हैं। 1991 तक उत्तर–पूर्व क्षेत्रमें सबसे कम जनसंख्या घनत्व था, जबकि दक्षिणी क्षेत्र में सर्वाधिक था। तदोपरांत पूर्वी क्षेत्र देश में सर्वाधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र के रूप में उभरा। 2001–2011 के दशक में जनसंख्या वृद्धि की दर 17.6 प्रतिशत थी, जबकि 1971–81 में 25 प्रतिशत थी। स्वास्य मानव विकास का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। स्वास्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से पिछले कुछ दशकों में संक्रामक रोगों में कमी आईहै। लोगों के स्वास्य में सुधार और मृत्यु दर में गिरावट दर्ज की गई है। आईसीएमआर की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक गैर–संक्रामक रोग खासे बढ़े हैं। बाल मृत्यु दर में वृद्धि चुनौती बनी हुईहै। जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। आजादी के समय यह 40 वर्ष से कम थी, जो बढ़कर 68.5 वर्ष (2016 में) हो गईहै। पुरु षों के मामले में यह 67.3 वर्ष, जबकि महिलाओं में 69.8 वर्ष है। इस प्रकार मानवीय स्वास्य मानवाधिकारों से बेहद करीबी से जुड़ा मसला है। भारत विश्व का सर्वाधिक युवा देश है। यहां की जनसंख्या में 10–24 वर्ष के आयु वर्ग में 35 करोड़ साठ लाख लोग हैं। जनसंख्या दिवस के मौके पर हमें युवाओं का स्वस्थ भारत के निर्माण खासकर परिवार नियोजन मानवाधिकार है, थीम को रूपाकार करने के लिए ज्यादा से ज्यादा उपयोग के प्रति संकल्पबद्ध होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवा जनसंख्या को देश की पूंजी बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं। देश की कुल जनसंख्या का 46 प्रतिशत हिस्सा 24 वर्ष से कम आयु वर्ग के लोगों का है। जरूरी है कि युवा जनसंख्या को कार्यबल की मुख्यधारा में लाने की पहल की जाए ताकि वह देश के लिए महत्त्वपूर्ण संसाधन साबित हो सके। इस दिशा में मेक इन इंडिया, स्किल्ड इंडिया, स्टार्ट–अप, स्टैंड–अप इंडिया आदि विभिन्न विकासात्मक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। अल्पविकास अनेक रूपों में दिखलाई पड़ता है। बाल श्रम, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा और उनका यौन शोषण जैसी कुछेक समस्याएं हैं। बाल श्रम की जहां तक बात है, तो इस समस्या से तीन तरह से निपटा जा सकता है। संकटग्रस्त परिवार को आर्थिक समर्थन मुहैया कराया जाए, समूची शिक्षा पण्राली को चाक–चौबंद किया जाए। स्लम इलाकों में सामाजिक–आर्थिक स्थितियां खराब होने के चलते बच्चों को पैसा कमाने के लिए बालपन में ही जूझना पड़ जाता है। किशोर वय की लड़कियों को समाजगत परेशानियों तथा विवाह के लिए दान–दहेज आदि के लिए पैसा जुटाने में माता–पिता की आर्थिक मदद करने की चुनौतियां से जूझना पड़ता है।

स्वाभाविक न्याय नहीं यह

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, उनकी बेटी तथा दामाद को मिली सजा पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यकीनन यह ऐसे व्यक्ति एवं परिवार के लिए संकट का समय है जो 1990 के दशक से ही पाकिस्तान की राजनीति को प्रभावित करता रहा है। लेकिन इसे जिस तरह पनामा मामले में मिली सजा के रूप में पेश किया जा रहा है, वह सही नहीं है। 28 जुलाई, 2017 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि नवाज सच बोलने वाले एवं ईमानदार नहीं हैं। पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 62 और 63 में सांसद बनने की योग्यता और अयोग्यता के प्रावधान के अनुसार सांसद को ''सादिक' और ''अमीन', यानी सिर्फ सच बोलने वाला और ईमानदार होना चाहिए। इस कसौटी के आधार पर उन्हें न्यायालय ने पद से हटा दिया। फैसला एक न्यायिक तख्तापलट था, जिसके पीछे भूमिका सेना की थी। न्यायालय ने छह सदस्यीय ज्वाइंट इन्वेस्टिगेटिव टीम–जेआइटी–यानी संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर शरीफ को अयोग्य करार दिया। जेआइटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि 1990 में प्रधानमंत्री के तौर पर शरीफ ने भ्रष्टाचार किया। उनके दूसरे कार्यकाल में उनके परिवार ने लंदन में संपत्तियां खरीदीं। शरीफ परिवार साबित नहीं कर सका कि इनकी खरीद के लिए धन कहां से आया। इसने शरीफ पर एक साथ 15 मामले दोबारा चलाने की सिफारिश की थी। इन मामलों में तीन 1994 से 2011 के बीच पीपीपी सरकार के दौरान दर्ज हुए थे, जबकि 12 अन्य परवेज मुशर्रफ के शासनकाल में। इनमें लंदन में शरीफ परिवार के चार फ्लैटों का मामला भी शामिल है। यह मामला उन 8 मामलों में शामिल है, जिनकी एनएबी ने दिसम्बर, 1999 में जांच शुरू की थी।

पनामा लीक्स के अनुसार नवाज के बेटों हुसैन और हसन के अलावा बेटी मरियम नवाज ने टैक्स हैवन माने जाने वाले ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड में कम से कम चार कंपनियां शुरू कीं। इनके जरिए उन्होंने लंदन में बड़ी संपत्तियां खरीदीं जिन पर डॉएचे बैंक से करीब 70 करोड़ रु पए का कर्ज लिया। इसके अलावा, दूसरे दो फ्लैट खरीदने में बैंक ऑफ स्कॉटलैंड ने उनकी मदद की। इस जांच रिपोर्ट की प्रकृति आरोप पत्र की थी, जिस पर सुनवाई किए जाने तथा आरोपियों को अपना पक्ष रखने का मौका मिलना चाहिए था। ऐसा नहीं हुआ। अभी एनएबी न्यायालय का फैसला लंदन के पॉश इलाके एवेनफील्ड में स्थित चार फ्लैटों से जुड़ा है। फैसले में कहा गया है कि नवाज परिवार ने अपनी विदेशी कंपनियों नील्सन इंटरप्राइजेज लिमिटेड और नेस्कोल लिमिटेड के जरिए 1993 से 1996 के दौरान इन्हें खरीदा था। मामले में शरीफ के अलावा उनकी बेटी मरयम, दामाद सफदर और दोनों बेटे हसन और हुसैन सह आरोपी बनाए गए थे। ब्रिटेन के लैंड रजिस्ट्री रिकॉर्ड के अनुसार,

लंदन के एवेनफील्ड इलाके में ज्यादातर उन कंपनियों के फ्लैट हैं, जो पनामा और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड जैसे टैक्स हैवेन वाली जगहों पर स्थित हैं। एनएबी ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद 8 सितम्बर, 2018 को तीन मुकदमे दर्ज किए थे यानी फ्लैटों के अलावा शरीफ परिवार पर अजीजिया स्टील मिल्स और हिल मेटल कंपनी से जुड़े दो अन्य मामले भी चल रहे हैं। शरीफ परिवार ने सऊदी अरब के जेद्दा में सात अरब रु पये की पूंजी से अजीजिया स्टील मिल्स का निर्माण कराया था। जांच टीम के मुताबिक हिल मेटल कंपनी ने 2010 से 2015 के बीच 99. 77 लाख डॉलर का मुनाफा कमाया। इसमें से 4.04 लाख डॉलर शरीफ को भेजे गए। इन दो मामलों पर फैसला आना है। अन्य जो मामले दर्ज थे, उनका क्या होगा? कोई कुछ नहीं कह सकता।पाकिस्तान में अनेक नेताओं की विदेशों में संपत्तियां हैं। किंतु पिछले कुछ समय से नवाज परिवार पर न्यायपालिका का सबसे ज्यादा फोकस हो गया। क्या यह अकारण है? नहीं।

सच यह है कि जिस आधार पर नवाज को प्रधानमंत्री पद ही नहीं चुनाव लड़ने तथा राजनीति करने से आजीवन अयोग्य ठहराया गया था, उस आधार पर पाकिस्तान में सक्रिय शायद ही कोई नेता बचे। हम नहीं कहते कि नवाज परिवार पाक साफ है, किंतु उनको ही निशाना बनाना कतई न्याय नहीं है। ध्यान रखिए, नवाज परिवार के खिलाफ न्यायालय में अवामी मुस्लिम लीग तथा जमात–ए–इस्लामी ने मामला दायर किया था। दोनों कट्टरपंथी संगठन हैं। माना जाता है कि सेना ने इनके नेताओं से मामला दर्ज करवाया था। इस समय सेना और न्यायपालिका के बीच अजीब किस्म का तालमेल देखा जा रहा है। नवाज ने अपने इस कार्यकाल में पाकिस्तान को बदलने की कोशिश में आतंकवादियों, कट्टरपंथियों के साथ सेना एवं न्यायपालिका को भी नाराज कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ 2014 में उत्तरी और दक्षिणी वजीरिस्तान में जर्ब–ए–अज्ब नाम से सैन्य कार्रवाई से आतंकवादी नाराज हैं। नवाज ने अनेक आतंकवादियों को फांसी पर चढ़वा दिया। उनके समर्थक कटटरपंथी राजनीति से लेकर हर क्षेत्र में मौजूद हैं। नवाज ने शैक्षणिक संस्थाओं में तब्लीगी जमात के प्रमोशन को भी प्रतिबंधित कर दिया। ऐसे अनेक कदम उठाए जिससे उनके खिलाफ अघोषित मोर्चा निर्मित हो गया है। पाकिस्तान की न्यायपालिका में कट्टरपंथी भारी संख्या में प्रवेश कर चुके हैं, जिन्होंने पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को न पिछले चुनाव में कोई भूमिका निभाने दी, न इस चुनाव में। नवाज के बाद बेटी मरियम और उनके पति सफदर भी चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इसका सीधा राजनीतिक लाभ किसे मिलेगा? इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ को। सेना इमरान की पीठ पर किस तरह खड़ी है। बताने की जरूरत नहीं।बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील होगी किंतु इससे नवाज शरीफ एवं उनके परिवार की राजनीतिक जिन्दगी पर तत्काल विराम लग गया है। नवाज के लिए यह निजी दुर्भाग्य तो है ही पाकिस्तान की राजनीति के लिए भी बहुत बड़ी घटना है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय राजनीति का एक प्रमुख ध्रुव का अवसान क्या परिणाम लाएगा अभी कहना कठिन है। किंतु नवाज की रिक्तता को भरने वाला कोई नेता या राजनीतिक समूह दिखाई नहीं पड़ रहा है। आगामी 25 जुलाई को होने वाले चुनाव में ऐसा लग नहीं रहा है कि किसी पार्टी को बहुमत मिलेगा। जो भी सरकार बनेगी उस पर सेना, कट्टरपंथी एवं कट्टर न्यायपालिका का भय कायम रहेगा।

11 खनिज ब्लॉक से उत्पादन इस साल के आखिर तक शुरू होगा : तोमर

इंदौर। केंद्रीय खान मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि अब तक नीलाम किए गए 43 ब्लाक में से 11 खनिज ब्लाक से उत्पादन साल के आखिर तक शुरू हो जाएगा। मंत्री ने कहा कि लगभग 102 खनिज ब्लाक में काम चल रहा है और इन खानों की नीलामी जल्द होगी। वे यहां खान व खनिज पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीलाम की गई 43 खानों से पट्टा अवधि में राज्यों को 1.55 लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा। खान नीलामी को गति देने के लिए खनिज ब्लाक नियमों में बदलाव किया गया है।

मंत्री ने सूचित किया गया कि 11 सार्वजनिक कंपनियों

(पीएसयू) को अधिसूचित किया गया है ताकि वे खोज कार्य कर सकें। तोमर ने कहा कि खान मंत्रालय निजी खननकर्ताओं को खोज पड़ताल की अनुमति देने की दिशा में काम कर रहा है। फिलहाल खानों की खोज पड़ताल का काम मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लिमिटेड व भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) करती है।

साल 2020 में समाप्त हो रही खनन लीज के सवाल पर तोमर ने कहा, 'इस दिशा में काम में तेजी लाए जाने की जरूरत है। पर्यावरण मंत्रालय, नीति आयोग व पीएमओ इस दिशा में काम कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि बालू खनन पर मसौदा नीति जारी कर दी गई है और राज्य इस पर विचार विमर्श कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के खनन मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य की बूंदर हीरा परियोजना की नीलामी जल्द होगी।

सेहत को नुकसान कर सकता है मार्केट में मिलने वाला भुट्टा

स्वीट कॉर्न जिसे भुट्टा भी कहते हैं खाने में बहुत ही स्वादिष्ट होता है. यह हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. बारिश के मौसम में अक्सर लोग सड़क के किनारे बिकने वाले भुट्टे का सेवन करते हैं, पर क्या आपको पता है कि सड़क के किनारे मिलने वाले भुट्टे का सेवन करने से आपकी सेहत को बहुत सारे नुकसान हो सकते हैं.

सड़क के किनारे लगे भुट्टे पर हमेशा मक्खियां घूमती रहती हैं. जिसके कारण भुट्टे में कई प्रकार के बैक्टीरिया और कीटाणु रह जाते हैं. ऐसे में भुट्टे का सेवन करने से आपको गंभीर बीमारियां हो सकती हैं.

बारिश के मौसम में भुट्टा खाना ज्यादातर लोग पसंद करते हैं. जिसके कारण भुट्टे वाले बहुत ज्यादा बिजी रहते हैं. इसी कारण से भुट्टे की साफ–सफाई पर भी सही तरीके से ध्यान नहीं दे पाते हैं. इसके अलावा भुट्टा रखने के लिए जो बर्तन इस्तेमाल करते हैं उसे कोयले से ढका जाता है. जिससे कैंसर की बीमारी हो सकती है.

भुट्टे पर लगा नींबू का रस और मसाला इसके स्वाद को और भी बढ़ा देता है, पर भुट्टे वालों के पास यह चीजें काफी समय से रखी रहती हैं. पैसे बचाने के लिए भुट्टे वाले आपको गलत मसाला और नींबू का रस निचोड़ कर दे देते हैं. जिससे आपको कई प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं.

मार्केट में मिलने वाले भुट्टे सारा दिन खुली हवा में रखे रहते हैं. जिससे इन पर कई प्रकार के वायु प्रदूषक जमा हो जाते हैं. भुट्टे के साथ ये आपके शरीर के अंदर जाकर आप को बीमार कर देते हैं.

ओवरलोड रेल वैगन पर तगड़ा जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने जोनल रेलवे के अधिकारियों को दिए औचक जांच के निर्देशमाल ढुलाई कंपनियों के प्रमाणन गलत पाए गए तो जुर्माने से नहीं बचेंगे, केवल सड़क मार्ग पर ही वाहनों की ओवरलोडिंग खतरनाक नहीं है, बल्कि रेलवे में भी ओवरलोडिंग से दुर्घटना होने की आशंका रहती है। इतना ही नहीं, ओवरलोडिंग के कारण रेलवे को राजस्व का भी नुकसान होता है। लिहाजा रेलवे ने ओवरलोडिंग के मामले में सख्त दिशा निर्देश जारी किए हैं। अब ओवरलोडिंग होने पर एक रैक पर एक लाख रपए का जुर्माना माल ढुलाई करने वाली फर्म को देना होगा। इतना ही नहीं, जोनल रेलवे के आला अधिकारियों को औचक निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। दरअसल राजमार्गो पर ट्रक और अन्य मालवाहक वाहनों पर ओवरलोडिंग से कारण सड़कें खराब होती हैं। लिहाजा टोल प्लाजा पर तौल मशीनें लगाने की बात कही जाती है और रास्ते में ऐसे वाहनों का निरीक्षण किया जाता है। कुछ इसी तरह से रेलवे में माल ढुलाई के लिए पूरी मालगाड़ी (रैक) अथवा डिब्बा (वैगन) में माल ढुलाई का वजन निर्धारित है। इन वैगनध्रैक में माल ढुलाई करने वाले फर्म वजन को लेकर जिम्मेदार होती हैं।

वैगनध्रैक में माल लोड के बाद उनका रेलवे की ओर से वजन किया जाता है। रैक में अधिक माल लोड के बाद रेलवे फर्म को रैक के अन्य वैगनों में इसे समायोजन करने के लिए कहता है। इसके बाद फर्म उसे समायोजित करता है। इसके लिए फर्म खुद प्रमाणित करता है कि उसके वैगध्रैक में कोई ओवरलोडिंग नहीं है। इस प्रमाणपत्र के बाद रेलवे रैकध्वैगन गंतव्य स्थान के लिए रवाना करता है। इस दौरान ओवरलोडिंग पाए जाने पर रेलवे जुर्माना करता है। लेकिन दो दिन पहले रेलवे वोर्ड के एक ताजा आदेश में यह निर्देश दिया गया है कि अगर फर्म के प्रमाणपत्र के बावजूद ओवरलोडिंग मिला तो प्रति वैगन एक लाख रपए जुर्माना किया जाए। इसके लिए रेलवे बोर्ड ने जोनल रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक और प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक को अधिकृत किया है।

उन्हें यह भी अधिकार दिया गया है कि वे वैगन और रैक का औचक निरीक्षण करें। ऐसा करने से ओवरलोडिंग के मामले पकड़े जाएंगे और झूठे प्रमाणपत्र पर जुर्माना लगाया जा सकेगा।

प्री-मेडिकेटेड होम्योपैथिक दवाएं ज्यादा कारगर

लखनऊ। होम्योपैथी में पहली बार प्री–मेडिकेटेड स्टैंडर्डाइज्ड होम्योपैथिक दवाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। इन्नोवेटिव पैकेजिंग में आने वाली प्री–मेडिकेटेड ग्लोब्यूल्स पारंपरिक होम्योपैथी उत्पादों की तुलना में बेहतर हैं। ग्लोब्यूल्स को दो सप्ताह की लंबी प्रक्रिया और स्वयं की प्रौद्योगिकी के साथ तैयार किया जाता है,स्वयं का ट्रिपल मेडिकेशन सिस्टम ग्लोब्यूल्स की तह तरल के एक समान अवशोषण को सुनिश्चित करता है। इस इन्नोवेटिव नियंतण्र उत्पाद को बॉयरन ट्यूब के नाम से जाना जाता है। प्रबंध निदेशक प्रशांत ने कहा मल्टीडोज ट्यूब्स और सिंगल डोज के रूप में मेडिकेटेड ग्लोब्यूल्स अभी मौजूद है।

जरूरत से ज्यादा पसीना आता है तो ये खबर आप के लिए है

जरूरत से ज्यादा पसीना आना आपके लिए बहुत ही बड़ी मुसीबत लेकर आ सकता है। अगर हमें पसीना व्यायाम करने पर या धूप में जाकर आता है, परन्तु इस दौरान जरूरत से ज्यादा पसीना आना आपके लिए एक गंभीर समस्या है।

कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि ज्यादा पसीना आना उनके लिए बहुत ही अच्छा है, परन्तु उन्हें यह पता नहीं होता है कि आगे चलकर यह पसीना ही उनके लिए किसी बड़ी समस्या को जन्म दे सकता है। बता दें कि इस समस्या को हाईपरहाईड्रोसिस कहते हैं। आइए आपको बताते हैं कि आप अपने पसीने को किस तरह कम कर सकती हैं।

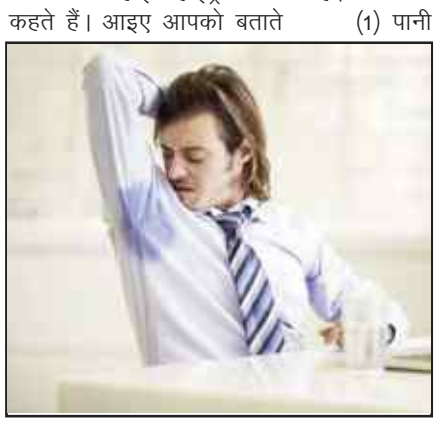

(1) पानी खूब पिएं

अगर आपके शरीर से पसीना ज्यादा निकलने से हमारे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में आप ज्यादा पानी पीना चालू कर दें, इससे आपके शरीर को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा।

(2) बर्फ से मालिस करें

धूप या जिम जाने से पहले आप अपने शरीर के उन भागों में बर्फ से मालिस कर लें, जहां से ज्यादा पसीना आता है। ऐसा करने से आपके शरीर को ठंडक मिल जाएगी। इससे आपका पसीना भी उन भागों से कम बाहर आएगा।

(3) टमाटर का जूस पीएं

शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिए आप टमाटर के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं। दिन में कम से कम एक से दो बार इस जूस को पीना चालू कर दें। इससे आपका पसीना बहुत कम आएंगा।

पीएम ने महिला स्वयं सहायता समूहों को सराहा

रहीमाबाद–लखनऊ। क्षेत्र के मलिहाबाद, माल व काकोरी सहित लखनऊ जनपद के 100 से ज्यादा कामन सर्विस सेंटर के माध्यम से वेव प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनका सौभाग्य है कि आज देशभर की 1 करोड़ से ज्यादा महिलाओं से संवाद करने का उन्हें अवसर मिला है।पीएम मोदी ने कहा कि आप सब अपने आप में संकल्प, उद्यमशीलता और सामूहिक प्रयासों का एक प्रेरणादायी उदाहरण हैं। महिला सशक्तीकरण की जब हम बात करते हैं तो सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है, महिलाओं को स्वयं की शक्तियों को, अपनी योग्यता को, अपने हुनर को पहचानने का अवसर उपलब्ध कराना। आज आप किसी भी सेक्टर को देखें, तो महिलाएं बड़ी संख्या में काम करती हुए दिखेंगी। देश के एग्रिकल्चर सेक्टर, डेयरी सेक्टर की तो महिलाओं के योगदान के बिना कल्पना ही नहीं की जा सकती।उन्होंने कहा कि ये स्वयं सहायता समूह एक तरह से गरीबों, खासकर महिलाओं की आर्थिक उन्नति का आधार बने हैं। ये ग्रुप महिलाओं को जागरूक कर रहे हैं, उन्हें आर्थिक तौर पर मजबूत भी बना रहे हैं। इस मौके पर ग्राम प्रधान उपस्थित रहे और सीएससी जिला प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह एवं शशांक गंगल ने नमो एप के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि देश की जनता को नमो एप्प के जरिये तमाम न्यूज अपडेट, शिक्षा, विकाश, स्वास्य, रोजगार एवं माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा मन की बात आदि को आप तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है ।

सरकार की स्मार्ट सिटी परियोजना को समर्थन देने के लिए भारत का निजी क्षेत्र सक्षम

सिंगापुर। सिंगापुर के अनुभवी शहरी डिजाइनर माइकल कोह का कहना है कि स्टार्ट अप समेत भारत का निजी क्षेत्र स्मार्ट सिटी मिशन परियोजना को समर्थन देने में सक्षम में है तथा इस काम में केंद्र एवं राज्य सरकारों को मदद दे सकता है।

सेंटर ऑफ लिवेबल सिटीज (सीएलसी) में फैलो कोह ने कहा, ''भारत का निजी क्षेत्र तथा सरकारें स्मार्ट सिटी अभियान की सफलता के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। सीएलसी फिलहाल अमरावती के विकास के लिए शहरी योजना एवं प्रशासन के बारे में आंध्र प्रदेश सरकार को सलाह दे रहा है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू कई बार अमरावती को भारत का सिंगापुर बता चुके हैं।

बारिश के मौसम में बालो के झड़ने की समस्या को इन घरेलू उपायों से करे जड़ से खत्म

बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी बालो को लेकर आती है इस सीजन में बाल ज्यादा झड़ने लग जाते है।

क्योंकि बारिश के पानी से इंफेक्शन और नमी के चलते बाल की जड़ें कमजोर होने लगती है जिसकी वजह से हेयरफॉल की समस्या होती है लोग बारिश में कई उपाय करते है अपने बालो को बचने के लेकिन ये समस्याए मौसम की वजह से हो ही जाती है।

इसलिए हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताते है जिनकी वजह से आप इस समस्या से निजात पा सकते है।

अगर आपको हेयर फॉल की समस्या हो गयी है तो

प्याज के रस को नारियल के तेल में मिलाकर बालो की जड़ो में मालिश करे और आधे घंटे बाद बाल धोले इससे आपके बाल झड़ने बंद हो जायेंगे।

बालो को जड़ो से मजबूत करने के लिए रात को सोते समय दूध में जायफल पाउडर मिलाकर पिए आपके बाल मजबूत हो जायेंगे।

उड़द की डाल को उबालकर पीस ले और उसका पेस्ट बनाले रात को सोने से पहले अपने बालो में लगा ले आपके सर से गंजापन दूर हो जायेगा।

मेथी के दानो को रात भर भिगोकर सुबह पीस ले और दही में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाए और बालो की जड़ो में लगाए थोड़ी देर बालो को धोले डेंड्रफ की समस्या खत्म हो जाएगी।

जब भी बारिश में भीग जाये तो नारियल तेल को गर्म करके अपने बालो की मालिश कर ले और बिना शेम्पू के ही बालो को धोले नारियल तेल लगाने पर अगले दिन बालो में शेम्पू का उपयोग करे।

अगर आप भी खाते है 'बासी खाना' तो इतनी बीमारियों को दे रहे है न्यौता

बासी भोजन खाने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए बासी भोजन से बचना जरूरी है।

इसके काराण मोटापा, हृदयरोग, कोलेस्ट्रोल जैसी समस्याओं में बढ़ोतरी हो रही है।इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम पर वक्त की बेहद कमी हो चुकी है।

बासी खाना खाने से आपको फूड पाइजनिंग की समस्या हो सकती है अधिक समय तक रखा हुआ भोजन स्वास्थ्य के लिये फायदेमंद नहीं होता क्योंकि इसमें स्वास्थ्य को हानि पहुंचाने वाले बैक्टीरिया उत्पन्न हो जाते है।

घंटों फ्रीज में खाना रहने से और बाद में बार–बार भोजन को गर्म करने से उसके पौष्टिक तत्व खत्म हो जाते हैं साथ ही ऐसा करने से बाहर के वातावरण में मौजूद जीवाणु एक्टिव हो जाते हैं जो हमारे शरीर में डायरिया को जन्म देते हैं।

अगर आपको एसिडिटी रहती है तो उसका एक मुख्य कारण बचा हुआ भोजन प्रयोग करना ही होता हैअगर कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा बाहर भोजन भी करताहै तो उसे एसिडिटी की समस्या होती रहती है इसके पीछे जो मुख्य कारण है वह यही है कि बासी भोजन में मौजूद बैक्टरिया पेट के बाकी भोजन को भी खराब कर देते हैं।

रिश्तेदारों के घर से तीन किमी दूर मिले अंग

लखनऊ। भपटामऊ स्थित धोबिन तलिया के पास राजबहादुर के रिश्तेदारों का मकान बाग के किनारे है। ये वही तालाब है जिसमें एक वर्ष पहले एक बच्ची का बलात्कार कर हत्या करने के बाद जुआरियों ने शव को तालाब मे फेंक दिया था। तालाब से कुछ कदमों की दूरी पर भूहर पुल होते हुए घर सेतीन किलोमीटर दूर सूरजकुण्ड खेड़ा गांव में हत्यारों ने अंगों को ठिकाने लगा दिया, जिससे लोगों में चर्चा है कि राजकुमार की हत्या किसी जानने वाले ने ही की है। बिना धड़ के परिजनों ने किया अंतिम संस्कार रू सूजकुण्ड खेड़ा में मिले मानव अंगों की पहचान कर परिजन जब अंगों का दाह संस्कार के लिए अपने पैतृक गांव ले गये तो गांव में बिना धड़ के पहुंचे अंगों को देखकर पूरे गांव में हाहाकार मच गया। परिजनों ने बिना धड़ के ही अंगों का दाह संस्कार कर दिया।

स्वागत पर घिरे मंत्री

गो हत्या के नाम पर एक शख्स की पीटकर हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने और हाईकोर्ट द्वारा उन्हें जमानत दिए जाने के बाद इन लोगों को सार्वजनिक तौर पर सम्मानित करने का केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा का कृत्य कहीं से भी उचित नहीं ठहराया जा सकता है। अगर अदालत ने इन लोगों को सजा सुनाई है तो कैसे वह इज्जत देने के लायक है, वह भी एक केंद्रीय मंत्री के द्वारा। स्वाभाविक है मंत्री द्वारा गुंडों को ऐसे ''इज्जत परेसने' से कानून के मुताबिक काम करने वाले बेहद दबाव महसूस करेंगे। यह कदम किसी भी दृष्टि से प्रशंसनीय नहीं है। एक तरफ केंद्र सरकार देश में भय, हिंसा और शक पर हत्या करने को लेकर सख्त कार्रवाई की बात दोहराती है, इसके उलट उन्हीं का मंत्री सामाजिक ताने–बाने को नेस्तनाबूद करने वालों को महिमामंडित करता है। उन्हें माला पहनाकर तस्वीरें खिंचाई जाती है और उनके बारे में अच्छी–अच्छी बातें कही जाती है। क्या ''अच्छे दिन' यही हैं? आश्चर्य की बात है कि जयंत सिन्हा ने पेंसिलवानिया विविद्यालय से उच्च शिक्षा ग्रहण की है। समाज और देश को उनसे बेहतरी की उम्मीद है, मगर ऐसा होता नहीं दिखता। यही वजह है कि उनके पिता को उन्हें सार्वजनिक तौर पर ''नालायक बेटा' कहना पड़ा। हालांकि जयंत ने पूरे मसले पर सफाई भी दी लेकिन इसने उनकी पार्टी, सरकार को जहां बैकफुट पर ला दिया वहीं विपक्ष को भी बैठे–बिठाए हथियार थमा दिया। जयंत सिन्हा से मिलता–जुलता काम केंद्र के एक और मंत्री गिरिराज सिंह ने भी किया है। बिहार के नवादा में सांप्रदायिक हिंसा के आरोप में जेल में बंद बजरंग दल और विहिप के कुछ लोगों से गिरिराज सिंह ने न केवल मुलाकात की वरन इसी बहाने बिहार की नीतीश कुमार सरकार और उनके पुलिस और प्रशासनिक अमले पर हिन्दुओं के खिलाफकाम करने का आरोप भी लगा दिया। यह सबकुछ तब है, जब बिहार में जद (यू) और भाजपा की गठबंधन सरकार है। तो क्या हिंसा को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त न करने का केंद्र सरकार का दावा महज दिखावा है? कानून को अपने हाथ में लेने वालों के साथ कैसी दया और उनके लिएपलक–पांवड़े बिछाने का क्या औचित्य? न्यायपालिका पर भरोसा करने का यह कौन सा तरीका है? कानून की उचित प्रक्रिया को इज्जत देना हर नागरिक का कर्त्तव्य है। कानून को अपना काम करने दीजिए। सजायाफ्ता लोगों के समर्थन से सिर्फ–और–सिर्फ देश ही कमजोर होगा।

राजबहादुर हत्याकाण्ड : मकान मालिक पर जताया हत्या का शक, रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ। पारा क्षेत्र स्थिति सलीमपुर पतौरा ग्राम पंचायत के मजरा सूरजकुण्ड खेड़ा में सोमवार को मिले मानव अंग की पहचान के बाद परिजनों ने मिले अंगों का अपने पैतृक गांव में दाह संस्कार किया। बुधवार को मृतक के छोटे भाई राजेश गौतम निवासी मौलवीखेड़ा थाना कासिमपुर हरदोई ने पारा थाने में पूर्व मकान मालिक कमल किशोर पर हत्या की आशंका जताते हुए मामला दर्ज कराया है। राजेश गौतम ने बताया कि करीब 15 दिन पहले लकड़मण्डी सहादतगंज से मकान मालिक से झगड़ा होने के बाद वह अपने बड़े भाई राजबहादुर के साथ जाहिद नगर भपटामऊ में दूर के चचेरे भाई के पास रह रहे थे। राजबहादुर दो वर्ष पहले अपनी पत्नी प्रिया देवी और

छोटे भाई राजेश के साथ कमाने के लिए शहर आया और लकड़मण्डी सहादतगंज में कमल किशोर के मकान में किराये पर रहने लगा। राजेश ने बताया कि कमल किशोर का दूसरे किरायेदार दिलीप की पत्नी से अवैध सम्बन्ध था। एक दिन राजबहादुर ने दिलीप की पत्नी के साथ कमल किशोर को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था, इसके बाद कमल किशोर उससे कमरा खाली कराने के साथ जान से मारने की धमकी दे रहा था। कमल किशोर शराबी था। कुछ दिन पहले राजबहादुर का मकान खाली कराने को लेकर उससे विवाद हुआ था, इसके बाद राजकुमार ने पत्नी व बच्चों को भाई के साथ 9 जून को गांव भेज दिया। राजेश ने बताया कि जब वह भाभी को गांव भेजकर 16 जून को वापस आया तो उसका बड़ा भाई कमरे के बाहर बैठा मिला। जब राजेश उसके पास पहुंचा तो उसने राजेश से बताया कि कमल किशोर ने उसे शराब के नशे में कमरा खाली कराने के लिए 14 जून की रात मारपीट कर उसकी बिजली काट दी और कमरे से निकाल दिया, इसके बाद दोनों भाई 16 जून को गांव की चाची से सम्पर्क कर जाहिद नगर भपटामऊ में अपने दूर के रिश्तेदार ब्रजरानी पत्नी स्व. बिहारी लाल के मकान में रहने लगे। ब्रजरानी का एक मकान भपटामऊ में है। जाहिद नगर के दूसरे मकान में उनका बेटा देवेन्द्र बहू मालती, पोता अनिकेत रहता है, जिनके साथ दोनों भाई रहने लगे थे।

माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड में मायावती व अखिलेश शासन की भर्तियां कटघरे में

इलाहाबाद । माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड उप्र ने अखिलेश यादव व मायावती के मुख्यमंत्रित्वकाल में भर्तियों में गड़बडियों का बड़ा राजफाश किया है। 2011, 2013 व 2016 में प्रवक्ता व स्नातक शिक्षक (टीजीटी–पीजीटी) के ऐसे विषयों के लिए चयन प्रक्रिया शुरू हुई, जो विषय ही प्रदेश के माध्यमिक कालेजों में नहीं हैं।

ताज्जुब है कि वर्ष 2013 के जीव विज्ञान स्नातक शिक्षक के पद पर 187 अभ्यर्थियों का चयन करके कालेजों में भेजा गया। उनमें से अधिकांश ने बिना पद के ही ज्वाइन भी कर लिया है। इसी विषय में 2011 के 65 पदों की लिखित परीक्षा का रिजल्ट जारी होना है। ऐसे ही प्रवक्ता वनस्पति विज्ञान के पदों पर चयन प्रक्रिया चल रही है, इसके लिए विधिक राय मांगी जा रही है। वहीं, चयन बोर्ड ने 2016 में टीजीटी–पीजीटी के पांच नए विषयों का विज्ञापन निकालकर आवेदन लिए जो कालेजों में हैं ही नहीं।

चयन बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ल व उप सचिव नवल किशोर ने सख्त कदम उठाते हुए 2016 में टीजीटी–पीजीटी के आठ विषयों का विज्ञापन निरस्त कर दिया है। इनमें टीजीटी के छह विषयों में 318 व पीजीटी के दो विषयों के तीन पद हैं। इन 321 पदों के लिए प्रदेश भर के 69 हजार 297 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। अब वह अधर में अटक गए हैं।

सचिव ने बताया कि टीजीटी के विषय यूपी बोर्ड के हाईस्कूल के व पीजीटी के विषय इंटरमीडिएट के पाठ्यक्रम में शामिल नहीं है। ऐसे में इन विषयों के पदों पर चयन कैसे किया जा सकता है। टीजीटी जीव विज्ञान व पीजीटी वनस्पति विज्ञान विषय के घोषित पदों के लिए चयन 2011 व 2013 में भी हुआ है या चयन प्रक्रिया चल रही है। लेकिन, 2016 में पांच नए विषयों का विज्ञापन जारी करके आवेदन लिए गए, जबकि ये विषय माध्यमिक कालेजों में नहीं है। इसीलिए आठ विषय के पदों को निरस्त करने का निर्णय किया गया है।

अभ्यर्थी अब अन्य विषयों में कर सकते हैं आवेदन

सचिव ने बताया कि निरस्त होने वाले विषयों में आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को अब यह अवसर दिया जा रहा है कि अपनी अर्हता के अनुसार विज्ञापित अन्य विषयों के पदों पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, इसके लिए उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि निरस्त होने वाले विषय के अभ्यर्थी अन्य विषयों में ऑनलाइन आवेदन करने के इच्छुक नहीं होंगे तो पूर्व में जमा शुल्क वापस कर दिया जाएगा। यही नहीं सिर्फ उन्हीं अभ्यर्थियों के दूसरे विषयों में आवेदन मान्य होंगे, जिनके विषय का विज्ञापन निरस्त हुआ है। अन्य अभ्यर्थियों ने जिन्होंने पहले आवेदन किया है उन्हें दोबारा आवेदन की आवश्यकता नहीं है, उनके आवेदन को वैध माना जा रहा है।

लिखित परीक्षा दूसरी बार स्थगित

माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड उप्र ने टीजीटी–पीजीटी 2016 की लिखित परीक्षा दूसरी बार स्थगित हो गई है। सचिव ने बताया कि अब आठ विषयों का दोबारा ऑनलाइन आवेदन लेने के कारण 27, 28 व 29 सितंबर को होनी वाली लिखित परीक्षा स्थगित कर दी गई है। इसकी नई तारीखें जल्द घोषित होंगी। ज्ञात हो कि इसके पहले 2016 अक्टूबर के चारों रविवार को परीक्षा का कार्यक्रम घोषित हुआ था, जिसे बाद में निरस्त कर दिया गया था।

चयन बोर्ड करेगा जांच, दोषियों पर होगी कठोर कार्रवाई

सचिव ने बताया कि माध्यमिक कालेजों में जो विषय नहीं हैं, उनके पदों का विज्ञापन जारी करने व पूर्व के वर्षों में ऐसे ही कुछ विषयों के लिए अभ्यर्थियों का चयन करने की जांच चयन बोर्ड की ओर से गठित समिति करेगी। देखा जाएगा कि किन कालेजों ने इन विषयों का अधियाचन भेजा और जिला विद्यालय निरीक्षक व संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक ने उनका किन परिस्थितियों में सत्यापन कर दिया। जो भी दोषी होगा उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इन विषय व पदों का विज्ञापन निरस्त

प्रशिक्षित स्नातक यानि टीजीटी 2016

विषय	पद	आवेदन
जीव विज्ञान	304	67005
संगीत	02	20
काष्ठ शिल्प	02	20
पुस्तक कला	08	502
टंकण	01	19
आशु. टंकण	01	18
कुल	318	67584

प्रवक्ता यानि पीजीटी 2016

विषय	पद	आवेदन
वनस्पति विज्ञान	02	1702
संगीत	01	11
कुल तीन		1713

इलाज में लापरवाही से मरीज की हालत बिगड़ी

सिविल अस्पताल में दो माह से भर्ती महिला मरीज

अस्पताल पहुंचकर महापौर ने दिये थे बेहतर इलाज के निर्देश

लखनऊ। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल में भर्ती एक लावारिस महिला की हालत सुधरने के बजाए बिगड़ गयी है। गैंगरीन का उपचार कराने आयी और पूरे शरीर के कई हिस्से में छाले पड़ गये थे, जबकि एक सप्ताह पहले महापौर संयुक्त भाटिया ने अस्पताल में वाटर कूलर का उद्घाटन किया और इस महिला मरीज का हाल जाना। इस मौके पर उन्होंने अस्पताल के अधिकारियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए थे। हजरतगंज चौराहे के पास दो माह पहले सड़क के किनारे पड़ी इस महिला विमला रावत के पैर का घाव देखकर कुछ समाज सेवी संगठन के लोगों ने सिविल अस्पातल में एडमिट कराया था, जहां डा. सदानंद तिवारी की देखरेख में मरीज का उपचार शुरू हुआ। एडमिट करवाने आए इन समाजसेवियों का कहना है कि जब उपचार शुरू हुआ तो कुछ दिन तक महिला को काफी लाभ हुआ लेकिन पिछले कई दिनों से वह मरीज को देखने नहीं पहुंचे तो पता चला कि उसके उपचार में डाक्टर, नर्स या पैरामेडिकल स्टाफ कोई भी रूचि नहीं ले रहे हैं। तीन–चार दिन तक उसके घाव की पट्टी भी नहीं बदली जाती है। आसपास के एडमिट मरीज के परिजनों ने बताया कि अस्पातल के अधिकारी रांउड पर आते हैं लेकिन इन महिला के इलाज की कोई जानकारी नहीं लेते हैं। अस्पताल के निदेशक डा. एचएस दानू ने बताया कि इस मामले की पड़ताल करेंगे, यदि इलाज में लापरवाही होगी, तो संबंधित पर कार्रवाई करेंगे।

संस्कृति के अपराधियों ने ऐसे की वारदात, इस रूट का किया प्रयोग

लखनऊ। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि राजेश ने पूछताछ में कबूला कि 21 जून की रात वह झोपड़ी में लेटा था। तभी वहां सलमान, संतोष व राकेश आए। तीनों ने साथ चलकर शराब पीने की बात कही तो वह राजी हो गया। पहले चारों ने रास्ते में देशी ठेके पर शराब पी और फिर लूट की योजना बानयी। राकेश के ऑटो पर बैठकर तीनों मुंशी पुलिया से पॉलीटेक्निक की तरफ जा रहे थे। करीब साढ़े आठ बजे एक छात्रा ने ऑटो देख हाथ दिया तो राकेश ने ऑटो रोक दी। इस दौरान राजेश व सलमान पीछे थे, जबकि राकेश व संतोष आगे बैठे थे। सवारी को देख राजेश व सलमान उतरे तो छात्रा बैठ गयी। जैसे ही वे दोबारा बैठे तो छात्रा ने टोका लेकिन चालक राकेश ने सवारी होने की बात कह दी। मुंशी पुलिया से ऑटो चलने के कुछ दूरी पर ही राकेश व संतोष ने उसे पकड़ लिया। विरोध करने पर आरोपितों ने उसका मुंह दबा दिया, जिससे वह शोर नहीं कर पायी। मुंशी पुलिया के बाद ऑटो कलेवा, सी–ब्लॉक, आम्रपाली चौराहा, सेक्टर–25, टेढ़ी पुलिया, भिटौली होते हुए आईआईएम पहुंचा। भिटौली के पास आरोपितों ने बैग छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर एक आरोपित ने संस्कृति पर तमंचा तान दिया था। इसके बाद वह शांत हो गयी थी। घैला के पास आरोपितों ने सुनसान जगह ऑटो रोका। बैग छीनने का विरोध करने पर आरोपितों ने संस्कृति का सिर पुल के रेलिंग से टकरा दिया था। इसके बाद बैग छीनकर उसे खून से लथपथ छोड़कर भाग निकले थे।

मुकदमें से आहत युवक ने ट्रेन के आगे कूद जान दी

उन्नाव। बीती बुधवार की रात छेड़छाड़ के मुकदमें से आहत युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम हेतु भेजा है। फतेहपुर चौरासी थाना अंतर्गत कठिघरा गांव निवासी विमल 27 पुत्र विजयबहादुर का बालामऊ कानपुर रेलवे ट्रैक पर सिर कटा शव मिलते ही हड़कम्प मच गया।

देररात की घटना होने से पुलिस ने काफी मेहनत कर धड़ से 50 मीटर दूर सिर और एक पैर ढूंढते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। परिजनों और ग्रामीणों का कहना है करीब तीन महीने पहले गांव की एक लड़की जिससे युवक का काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था उसी ने मृतक के विरुद्ध छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करा जेल भिजवाया था।

बीते माह ही वह जेल से छूटकर आया था और फिर से प्रेमिका से बात करने लगा था। बुधवार शाम को वह उससे मोबाइल से बात करते हुए ट्रैक पर निकल गया जहाँ उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस सभी बिंदुओं को लेकर जांच में जुट गई है।

महागठबंधन बनने के बाद भाजपा का हारना निश्चित- शिवपाल सिंह यादव

मैनपुरी। 2019 के लोकसभा चुनावों की समाजवादी पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं संग रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। सपा के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव भी इन दिनों अखिलेश यादव के लिए काफी नर्म दिखाई दे रहे हैं। उनके बयानों में पहले जैसा विरोधाभास काफी कम देखने को मिलता है। इस बीच एक शोक सभा में शामिल होने पहुंचे पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने मीडिया से बात करते हुए बड़ा बयान दे दिया है।

शोक सभा में पहुंचे शिवपाल यादव :

मैनपुरी में अखिलेश यादव की सरकार में कद्दावर मंत्री रहे जसवंतनगर से विधायक शिवपाल सिंह यादव को भरोसा है कि महागठबंधन के कारण भारतीय जनता पार्टी की हालत पतली हो रही है। महागठबंधन भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनाव में आसानी से हरा देगा।

शिवपाल सिंह यादव मैनपुरी में राज्य महिला आयोग की सदस्य रहीं अर्चना राठौर के घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने आए थे। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश तथा देश में महागठबंधन बनने के बाद भाजपा का हारना निश्चित है। उत्तर प्रदेश में सपा के कितनी लोकसभा सीट पर लडने के सवाल पर शिवपाल ने कहा कि इस पर तो राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव फैसला लेंगे।

तोताराम यादव के हंगामे पर बोले शिवपाल :

पैक्सफेड चुनाव में पूर्व मंत्री तोताराम यादव के हंगामे के सवाल पर उन्होंने कहा कि चुनाव में जमकर बेईमानी हो रही है। जब नामांकन ही नहीं करने दे रहे तो चुनाव क्या होगा। हम तो कह रहे हैं कि अब चुनाव बन्द कर इसका भी सरकारीकरण कर दो। शिवपाल सिंह जागीर विकास खंड के पर्वतपुर हवेली में राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य अर्चना राठौर के घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने आए थे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने जमकर बीजेपी पर हमला बोला।

लाडले पिस्टल लुटेरे की अक्सर मदद करती थी हंसखेड़ा चौकी

लखनऊ। एचसीपी प्रमोद कुमार शुक्ला की बाराबिरवा चौराहे पर पिस्टल लूटने वाला सलमान दो दिन बाद भी लखनऊ पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। हंसखेड़ा चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों के लाडले की तलाश में लगी क्राइम ब्रांच समेत चार टीमें लगातार दबिशें दे रही है। पुलिस की आशंका है कि सलमान समर्पण कर सकता है। इस आशंका पर कोर्ट के बाहर सादे कपड़ों में पुलिस ने जाल बिछाया लेकिन वह नहीं आया। पड़ताल में सामने आया कि 10 दिसम्बर 2017 को सलमान के भाई जब्बार से मोहल्ले के ही शान उर्फ बेटा से मैच के दौरान मारपीट हो गई थी। लाडले की पैरवी में तत्कालीन चौकी प्रभारी संजय सिंह ने उसके चचेरे भाई आफताब की तहरीर पर एनसीआर दर्ज कर ली थी।चौकी प्रभारी के ट्रांसफर के बाद चौकी की कमान हरिनाथ यादव को मिली। विवेचना के दौरान चौकी प्रभारी हरिनाथ यादव ने एनसीआर में बिना मेडिकल रिपोर्ट व कागजी कार्रवाई के मामले को जानलेवा हमले के दौरान बेहोश होना (308 आईपीसी) में तब्दील कर दिया। सूत्रों की मानें तो सलमान की मदद में चौकी प्रभारी समेत अन्य पुलिस अफसर ने अहम भूमिका निभायी थी। इसके बाद दोनो पक्षों मे वर्चस्व की लडाई बढ़ती गयी। रविवार शाम को दोनों पक्ष खम्भे से बिजली काटने के बाद आमने–सामने हो गये। शाम छह से रात नौ बजे तक उनके बीच जमकर पत्थरबाजी व दो राउण्ड फायरिंग की। ग्रामीणों की सूचना के बाद भी पुलिस नहीं पहुंची। रात नौ बजे जब सलमान का विपक्षी जब्बार थाने पहुंचा तो चौकी प्रभारी हंसखेड़ा ने फायरिंग को झुठलाते हुए अब्दुल जब्बार की तहरीर पर सलमान समेत 16 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस ने लाडले सलमान को बचाने के लिये चाचा रियाज अहमद से तहरीर लेकर अब्दुल जब्बार की तरफ से 13 लोगों पर क्रास रिपोर्ट दर्ज कर ली। ग्रामीणों का कहना है कि घटना के वक्त दो राउण्ड शान की ओर से व एक राउण्ड फिरोज ने फायरिंग की। सोमवार को गिरफ्तारी न होने पर दोनों के बीच फिर तनातनी हो गयी। इसके बाद दर्जनभर राउण्ड फायरिंग हुई। चौकी प्रभारी अफसरों से छिपाने के साथ ही मीडिया से भी इंकार करते रहे।

टेम्पो में महिला का पर्स चोरी

लखनऊ। चारबाग रेलवे स्टेशन से टैम्पो पर सवार होकर साउथ सिटी जा रही महिला का पर्स रास्ते में चोरी हो गया। पर्स न देख महिला ने टैम्पो रोकवाया तो टैम्पो में सवार लोग झगड़ने लगे इस पर टैम्पो चालक ने महिला को तेलीबाग चौराहे पर ही उतार दिया। पीड़िता ने पीजीआई कोतवाली में तहरीर दी है। सविता देवी पत्नी एलआर गुप्ता निवासी मकान संख्या–ई–775 रत्नाकर खण्ड साउथ सिटी पीजीआई अपनी बेटी प्रीती गुप्ता के साथ अपने पैतृक घर बलिया से लौट रही थी। सविता ने बताया गुरुवार सुबह करीब आठ बजे वह चारबाग रेलवे स्टेशन से टैम्पो पर साउथ सिटी जा रही थीं। टैम्पो में सात–आठ महिला व पुरु ष बैठे थे जो दूसरे प्रदेश के प्रतीत हो रहे थे। टैम्पो ने अभी कैंट इलाके को पार ही किया था कि किसी ने इनका पर्स चुरा लिया। पर्स न देख शोर मचाया तो वे लोग झगड़ने लगे और चालक ने उसे उतार दिया।

टायर फटने से पलटी कार चालक घायल

घटना लालपुर गांव के सामने की है। बछरांवा रायबरेली में रहने वाले नितिन शुक्ला कार से लखनऊ जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्षियों के मुताबिक जैसे ही कार निगोहां–लखनऊ नेशनल हाईवे पर लालपुर गांव के पास एक कार का टायर फट गया, जिसके बाद कार अनियंत्रित होकर पलट गयी। इस घटना में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की जानकारी निगोहां पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायल को सीएचसी मोहनलालगंज भेजा।

पुलिस की दबिश के पहले सलमान का परिवार हुआ था फरार

लखनऊ। बाराबिरवा चौराहे पर दरोगा की पिस्टल लूटने के दौरान सलमान का मोबाइल मौके पर ही छूट गया। पारा पुलिस मोबाइल की मदद से जब तक सलमान के घर पहुंची, तब तक वह परिवार संग भाग निकला था। सलमान के परिवार को सूचना देने में एक उपनिरीक्षक व एक दीवान की भूमिका अहम रही है।कहां और किससे मिली बाइक और पिस्टल रू पुलिस महकमे की सर्विस पिस्टल लूट के बाद अधिकारियों ने लूटी गई पिस्टल और वारदात मे शामिल बाइक तो बरामद कर ली है लेकिन इस सवाल किसी के पास नहीं है कि पिस्टल व बाइक कहां से मिली। सीओ का कहना है कि चेकिंग के दौरान पिस्टल व बाइक मिली थी। अगर यह बात सच है तो वह शख्स कौन है, जिसके पास से बरामदगी हुई थी। इस पर उनका कहना है कि सलमान की गिरफ्तारी के बाद ही स्थिति साफ होगी।

एक माह बाद दर्ज हुई चोरी की रिपोर्ट

सरोजनीनगर–लखनऊ। सरोजनीनगर पुलिस ने करीब एक माह पहले चोरी हुई बाइक के मामले में गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज की गयी है। सरोजनीनगर के बदालीखेड़ा निवासी दुष्यन्त सिंह के मुताबिक 14 जून की शाम वह बाइक से चिल्लावां बाजार सब्जी खरीदने गए थे, जहां सड़क किनारे बाइक खड़ी कर दी। सब्जी लेकर वापस लौटे तो बाइक गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद दुष्यन्त ने गुरुवार को सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मजदूर का एक युवक पर नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप

सरोजनीनगर–लखनऊ। बंथरा इलाके के एक मजदूर ने सरोजनीनगर निवासी एक युवक पर नाबालिग बेटी को बहला–फुसलाकर भगाने का आरोप लगाया है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर उसका पता लगा रही है। बंथरा के माती गांव निवासी मजदूर का आरोप है कि 17 जून को सरोजनीनगर के हुल्ली खेड़ा गांव निवासी मनोज उसकी 17 वर्षीय बेटी को बहला–फुसलाकर भगा ले गया। इसकी जानकारी होने के बाद उसने घटना की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस ने गुरुवार को मनोज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को लेकर सपा-भाजपा में छिड़ी जंग

लखनऊ । पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे को लेकर सपा और भाजपा में रार छिड़ गई है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव इसे अपना प्रोजेक्ट बताकर आक्रामक हैं जबकि, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने सपा सरकार के मुकाबले दो हजार करोड़ कम लागत पर इस परियोजना को पूरा करने का एलान किया है। डॉ. पांडेय ने कहा कि अखिलेश ने बिना आधार चुनाव के अंतिम क्षणों में फर्जी शिलान्यास कर दिया। कहां शिलान्यास किये, किसी ने देखा भी नहीं।

विदेश यात्रा से लौटे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को सपा मुख्यालय पहुंचे तो बड़ी संख्या में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ उनकी अगुवानी की। अखिलेश यादव ने पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे को लेकर विशेष रूप से भाजपा पर निशाना साधा। इस एक्सप्रेस–वे की आधारशिला रखने के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आजमगढ़ आ रहे हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पूर्वी उत्तर प्रदेश के दस जिलों समेत राजधानी से जुड़ रहा है। अखिलेश का कहना है कि समाजवादी सरकार के कामों का ही भाजपा शिलान्यास और उद्घाटन कर रही है। समाजवादी सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के बलिया, बिहार बार्डर तक विस्तार की योजना बनाई थी लेकिन, भाजपा की सरकार ने इसे गाजीपुर तक सीमित कर दिया है। भाजपा ने इस योजना के क्रियान्वयन में जानबूझकर देर लगाई और इसकी निर्माण लागत कई गुना ज्यादा बढ़ गई।

इधर, अखिलेश पर आक्रामक डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि लंबे समय तक प्रदेश की जनता को झूठे ख्वाब और प्रलोभन दिखाने वाले अखिलेश यादव के पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि क्या उनकी सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के लिए 20 फीसद भी जमीन अधिगृहीत की। नियम है कि जब तक 80 फीसद जमीन अधिगृहीत न हो तब तक कार्य शुरू नहीं हो सकता है।

योगी सरकार ने 96 फीसद जमीन अधिगृहीत कर किसानों का भुगतान कर दिया है और लागत बढने के बावजूद दो हजार करोड़ रुपये बचाने का उपक्रम किया है। डॉ. पांडेय ने एक्सप्रेव–वे को लेकर अखिलेश यादव के बयानों को हास्यापद बताया और कहा कि पूर्ववर्ती सपा सरकार ने अपने कार्यकाल में फर्जी ढंग से शिलान्यास किए। अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही पूरे प्रदेश में आनन फानन में कई ऐसी योजनाओं का शिलान्यास कर जनता को धोखा देने का काम किया।

गोमतीनगर में गोली लगने से टेलर घायल

लखनऊ। गोमतीनगर इलाके में गुरुवार को झोपड़ी के बाहर खड़े युवक के कंधे में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसने पुलिस को बताया कि घर से बाहर खड़ा किसी से बातचीत कर रहा था, तभी उसके दाहिने कंधे में पीछे से गोली लगी। काफी देर तक उसे पता ही नहीं चला। जब खून जमीन पर गिरने लगा तो उसे कुछ अहसास हुआ और परिजनों से बताया। परिजनों ने उसे डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बतायी जा रही है। मूलरूप से बाराबंकी जनपद में रहने वाला जुनैद (22) पुत्र समीर मोहम्मद गोमतीनगर क्षेत्र में ग्रीनवुड अपार्टमेंट के निकट स्थित झुग्गी–झोपड़ी में अपनी बहन व बहनोई जान मोहम्मद के साथ रहता है और टेलरिंग करता है। उसने पुलिस को बताया कि वह सुबह घर के बाहण खड़ा किसी से बात कर रहा था, तभी उसे दाहिने कंधे के पिछले हिस्से में गोली लगी और वह लहूलुहान हो गया। जब उसे दर्द हुआ तो परिजनों को बताया। इस पर किसी ने कहा कि उसे तो गोली लगी है। यह जानकारी होते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और घायल जुनैद को डा. राम मनोहर लोहिया हास्पिटल ले गये, जहां डाक्टरों ने उसका इलाज किया। गोली कैसे लगी। किसने मारी यह पुलिस के लिए पहेली बना है। जुनैद का कहना है कि उसकी किसी से रंजिश भी नहीं है।

भाजपा के आधे सांसदों के काम काज से असंतुष्ट हैं शाह

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह की मिर्जापुर और आगरा की दो दिवसीय समीक्षा बैठक ने पार्टी सांसदों में दहशत पैदा कर दी है, क्योंकि पार्टी कार्यकर्ताओं से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर अधिकतर सांसदों के कामकाज पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार को यहां बताया कि बैठकों का मकसद ही पार्टी कार्यकर्ताओं से जमीनी हालात की जानकारी प्राप्त करना था। श्री शाह ने आगरा में भी हुई बैठक के दौरान सांसदों के कामकाज पर असंतोष जाहिर किया।

उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं से जो जानकारी प्राप्त हुई है, उसके आधार पर लगता है कि मौजूदा सांसदों में से लगभग आधे का टिकट कट सकता है। पार्टी की

सख्ती का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि मिर्जापुर में जब भाजपा अध्यक्ष भाजपा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ कार्यकर्ताओं के साथ बुधवार को बैठक कर रहे थे, तो उस समय सांसदों को बाहर ही रूक कर इंतजार करने को कहा गया था। यह बात उस समय और साफ हो गई, जब श्री शाह ने गोरखपुर और अवध क्षेत्र के सांसदों के साथ बैठक में कहा कि आप के कामकाज से मैं संतुष्ट नहीं हूं। उन्होंने कानपुर और बुंदेलखड के सांसदों के कामकाज पर भी असंतोष जाहिर किया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि आगामी लोकसभा के लिए उम्मीदवारों का चयन उनके कामों के बारे में प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर किया जायेगा। बैठकों में एक बात यह भी खुलकर सामने आयी कि अधिकतर सांसद केन्द्र सरकार की योजनाओं के बारे में ठीक से नहीं जानते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सांसद ग्राम चौपाल कार्यक्रमों में रात के वक्त नहीं रूकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से यह भी शिकायत की गई कि अधिकतर सांसद मतदाता सूची बनवाने में कोई रूचि नहीं लेते हैं। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जमीनी सच्चाई जानने के बाद काफी नाराज नजर आये। उनको बताया गया कि अधिकतर सांसदों का मतदाताओं से सम्पर्क नहीं है।

शौचालय के लिए गड्ढा खोद रही महिला को जिंदा दफन करने की कोशिश

लखनऊ। गोंडा जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चौखट के मजरे बढ़ई पुरवा में गुरुवार को शौचालय बनवाने के लिए गड्ढा खोद रही महिला को दबंगों ने उसी में जिंदा दफन करने का प्रयास किया। ग्रामीणों व पुलिस की मदद से उसको बचा लिया गया। प्रकरण में चार आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन के तहत मिले शौचालय के लिए जयकला पत्नी रामसमुझ गड्ढा खोद रही थी। इस बीच बगल के गांव मिश्रन पुरवा निवासी गंगा मिश्र व विजय प्रकाश अपने पुत्र आशीष व राहुल के साथ पहुंच गए। इन लोगों ने संबंधित भूमि को अपनी आबादी की भूमि बता गड्ढा खोदने से मना किया। इसको लेकर हुई कहासुनी के दौरान महिला को मारपीट कर उसी गड्ढे में ढकेलकर ऊपर से मिट्टी भर दि गई।

पीड़िता के शोर मचाने पर परिवार व गांववाले दौड़े तो दबंग भाग निकले। सूचना पर यूपी 100 पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गयी। पुलिस के पहुंचने पर महिला मिट्टी के बीच दबी रो रही थी। ग्रामीणों की मदद से उसको बाहर निकालकर पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। एसओ राजेंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर पर उक्त आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

अर्चना एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें निरस्त

27 किमी रेलमार्ग का होना है दोहरीकरण

लखनऊ। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के वाराणसी–जंघई रेलखंड के पारसीपुर–कपसेठी–सेवापुरी स्टेशनों के बीच दोहरीकरण को लेकर 14 से 20 जुलाई तक नान इंटरलाकिंग रहेगा। इसके चलते उत्तर रेलवे ने अर्चना एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों को निरस्त कर दिया है, जबकि जनता समेत कई ट्रेनों का संचलन बदले हुए मागरे से किया जाएगा।

लखनऊ–वाराणसी पैसेंजर प्रतापगढ़ 14 से 20 जुलाई तक चलेगी।यह जानकारी बुधवार को उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जगतोष शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ मंडल में ट्रेनों के संचलन में व्यापक सुधार के क्रम में कई महत्वपूर्ण कार्य चल रहे है। उन्होंने बताया कि वाराणसी–जंघई रेलखंड की दोहरीकरण को लेकर अभी 27 किमी का काम बाकी है, जिसको पूरा कराने के लिए 14 से नान इंटरलाकिंग के चलते ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

ताज को संरक्षित करें या गिरा दें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। ताजमहल की खूबसूरती बरकरार रखने में सरकार के रवैये से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार ताज को संरक्षित करे या गिरा दे। सरकार का रवैया ढुलमुल है। सुप्रीम कोर्ट ने ताज की तुलना फ्रांस के एफिल टावर से की और कहा कि हमारा ताज कहीं ज्यादा आकर्षक है, लेकिन सरकारी रवैये के कारण अपेक्षित पर्यटक यहां नहीं आ पाते। सुप्रीम कोर्ट ने विश्व धरोहर की संरक्षा के प्रति केन्द्र, यूपी सरकार और तमाम प्राधिकारों को उनके उदासीन और ढुलमुल रवैये के लिए आड़े हाथ लिया।

जस्टिस मदन लोकुर और दीपक गुप्ता की बेंच ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ताज को बंद कर सकती है। आप चाहें तो इसे ध्वस्त कर सकते हैं और यदि आपने पहले से ही फैसला कर रखा है तो इससे छुटकारा पा सकते हैं। अदालत ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को परवाह नहीं है। कोई कार्य योजना या दृष्टि दस्तावेज अभी तक नहीं मिला है। आप या तो इसे गिरा दीजिए या आप इसकी खूबसूरती बहाल कीजिए।

सुप्रीम कोर्ट ताज को संरक्षित रखने व आसपास के क्षेत्र में विकास कायरे की निगरानी कर रहा है। इस मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ताज और पेरिस में एफिल टावर के बीच समानता की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि यह स्मारक संभवतरू ज्यादा खूबसूरत है लेकिन भारत मौजूदा हालातों की वजह से लगातार पर्यटक और विदेशी मुद्रा गंवा रहा है।

150 हड़तालीं लेखपालों को बर्खास्तगी का नोटिस

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा एस्मा लगाये जाने के बाद भी हड़ताल से वापस न लौटने वाले लेखपालों पर कार्रवाई का क्रम बुधवार को भी जारी रहा। निलंबन के साथ ही आज नये लेखपालों को जिला प्रशासन ने टारगेट किया। इसक्रम में करीब 150 नये लेखपालों को बर्खास्त करने का नोटिस जारी किया गया, जबकि विभिन्न जनपदों में पांच दर्जन से ज्यादा लेखपालों को निलंबित करके प्रशासन ने गंभीर संदेश दिया है। वहीं राजधानी सहित विभिन्न शहरों में लेखपालों की सर्विस ब्रेक करने का निर्देश जारी कर दिया गया है। साथ ही बस्ता न जमा करने वालों को अल्टीमेटम भी दिया गया। गुरुवार तक बस्ता न जमा करने वाले लेखपालों के खिलाफ जिला प्रशासन एफआईआर दर्ज कराएगा। उधर प्रदेश लेखपाल संघ ने कहा है कि वह बस्ता जमा नहीं करेगा, हमारी जायज मांगे पूरी हों। इसक्रम में अपनी मांगों को लेकर लेखपालों ने आज विभिन्न तहसीलों और जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया।

20 करोड़ का 5 मंजिला अपार्टमेंट ध्वस्त

दो भूखण्डों को जोड़कर बनाए गए 30 फ्लैट्स, पवन अग्रवाल व एजाज बिल्डर ने बनाया अपार्टमेंट

अपार्टमेंट में करीब 30 फ्लैट हैं। 5 मंजिल के बिल्डिंग में हर फ़्लोर पर 6 फ्लैट हैं। जानकारी के अनुसार कुछ बड़े अफसरों व पुलिस कर्मियों ने भी फ्लैट लिए हैं।

बड़े बड़े अधिकारियों ने खरीदें हैं फ्लैट

लखनऊ। गोमती नगर के विकल्प खंड में बने अवैध अपार्टमेंट के एक हिस्से को एलडीए ने ध्वस्त कर दिया। दो भूखंडों को जोड़कर अपार्टमेंट बना लिया गया। एकल आवासीय नक्शे पर नियम कानून को दर किनार कर 5 मंजिल के 30 अपार्टमेंट बनाये गये थे। प्रवर्तन दस्ते के साथ पहुंचे इंजीनियरों ने बालकनी, बाउंड्री वाल सहित छत में छेद कर पंचर कर दिया। बिल्डर ने अवैध निर्माण रुकवाने के लिए कई जतन किये। मंत्रियों और विधायकों से भी फोन करवाया। लेकिन शाम तक बड़े हिस्से को ध्वस्त कर दिया गया। 30 फ्लैटकी कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये होगी प्रति फ्लैट 70 से 75 लाख की कीमत का है। अधिशासी अभियंता भूपेन्द्रवीर सिंह बुधवार को सुबह 11 बजे ही दल बल के साथ अवैध अपार्टमेंट गिरवाने पहुंच गए। कई दिनों पहले पुलिस को चिट्ठी लिखने के बावजूद फोर्स नहीं मिली तो अधिकारियों ने चिनहट क्षेत्र के दो सिपाहियों व इंस्पेक्टर की मौजूदगी में ही इसे गिरवाना शुरू किया। बिल्डर विरोध करते हुए इंजीनियरों के सामने खड़ा हो गया। उसके गुग्रे हंगामा करने लगे। अधिकारियों से कहा सुनी शुरू कर दी। इसके बावजूद इंजीनियरों ने जेसीबी से इसे तोड़वाना शुरू कर दिया। छत पर छेद करने के लिए आधा दर्जन ड्रिल मशीन लगा दी गयी।

दो दर्जन से ज्यादा मजदूर व कर्मचारी हथौड़ा लेकर छत के ऊपर व बालकनी को गिराने लगे। शसम को साढ़े 4रू30 बजे तक बड़े हिस्से को ध्वस्त कर दिया। बाद में बिल्डर इसे खुद गिराने की मोहलत देने के लिए अनुनय विनय करने लगा। एलडीए के नजूल अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि इस 5 मंजिला अपार्टमेंट को पवन अग्रवाल व एजाज बिल्डर ने मिलकर खड़ा किया है। एजाज बिल्डर ने पवन अग्रवाल के साथ बिल्डर एग्रीमेंट कर इसे बनाया है। बिल्डर ने 3/127 ए तथा 5/127 बी दोनों भूखंडों को एक साथ जोड़ कर बनाया है। अधिशासी अभियंता भूपेंद्र वीर सिंह ने बताया कि इसे हाल ही में सील भी किया गया था। सील होने तुरंत बाद बिल्डर ने सील तोड़ दी।

2019 के लिए ब्रह्मास्त्र साबित हो सकता है भाजपा का जम्मू–कश्मीर में प्लान ए और बी

नई दिल्ली। भाजपा जम्मू–कश्मीर में प्लान ए और बी दोनों पर काम कर रही है। पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती के खुलकर आरोप लगाने और भाजपा को चेतावनी देने के बाद पिछले महीने तक सहयोगी रहे दोनों दलों के रिश्ते की सच्चाई सामने आने लगी है।

महबूबा के इस आरोप पर भाजपा की प्रवक्ता और केन्द्रीय रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। पीडीपी पहले भी आरोप लगाती रही है।

निर्मला ने मुफ्ती के आरोपों से बचते हुए महबूबा के पार्टी को तोड़ने के आरोप बेबुनियाद बताया। वहीं भाजपा के पूर्व वरिष्ठ नेता यशवंत

सिन्हा ने भी भाजपा पर करारा हमला बोलते हुए इसे उसका बहुत खतरनाक कदम बताया है। सिन्हा का कहना है कि भाजपा ने ऐसा 2019 के चुनाव में सफलता पाने के लिए किया है।

यशवंत सिन्हा ने कहा कि भाजपा दो योजना पर काम कर रही है। उसकी पहली योजना पीडीपी को तोड़कर अलग–थलग कर देने की है। वहां अब राष्ट्रपति शासन लागू है और केन्द्र सरकार तथा भाजपा इसे जारी रखना चाहती है।

भाजपा की दूसरी कोशिश यदि बन सके तो नई सरकार के एजेंडे पर काम करते रहना है। हाल में कश्मीर से होकर लौटे यशवंत सिन्हा ने कहा कि घाटी और जम्मू में लोग भाजपा से बहुत नाराज हैं।

सिन्हा का कहना है कि कश्मीर घाटी की स्थिति काफी बिगड़ चुकी है। इसकी देन भी केन्द्र सरकार की नीतियां ही हैं। इसलिए भाजपा के इस तरह विघटनकारी राजनीतिक प्रयास से युवाओं में न केवल आक्रोश बढ़ सकता है, बल्कि वे गलत रास्ता भी अख्तियार कर सकते हैं।

हालांकि यशवंत सिन्हा को ऐसा हो पाने की उम्मीद कम नजर आ रही है, लेकिन उनका कहना है कि भाजपा की योजना पीडीपी को तोड़कर यदि भविष्य में बन पाए तो सरकार बनाना है। वैसे भी इस समय भाजपा कोई परेशानी नहीं है, क्योंकि राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हो चुका है। लेकिन घाटी में चर्चा आम है कि भाजपा जम्मू–कश्मीर में सरकार बनाना चाहती है।

इस सरकार का मुख्यमंत्री हिन्दू हो और इसके साथ दो उप मुख्यमंत्री बनाए जाएं। सिन्हा का कहना है कि यदि इस तरह की स्थिति आती है तो घाटी के हालात बुरी तरह से बिगड़ सकते हैं। सिन्हा ने महबूबा मुफ्ती से सहमति जताते हुए युवा आतंक की राह चुन सकते हैं।

क्यों कर रही है भाजपा

यशवंत सिन्हा ने कहा कि भाजपा ने अपनी पुरानी परंपरा तोड़ दी है। पार्टी के मानदंड ही खत्म हो गए हैं। अब केवल एक ही एजेंडा है कि किसी भी तरह से सरकार बनाओ। किसी हथकंडे का इस्तेमाल करके चुनाव जीतो। राज्यों में अल्पमत हो तो गलत रास्ते से भी सरकार बनाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा इसी तरह का खेल जम्मू–कश्मीर में खेलना चाहती है। ताकि 2019 के चुनाव में वोटों का ध्रुवीकरण करके इसको जीता जा सके।

सिन्हा का कहना है कि घाटी और जम्मू दोनों जगह लोगों का मानना यही है। वो लोग कह रहे हैं जम्मू–कश्मीर के विकास को लेकर पीडीपी से सरकार ने समर्थन वापस नहीं लिया है, बल्कि 2019 में चुनाव जीतने के लिए इस रास्ते पर चल रही है। जम्मू में भाजपा के विधायकों, सांसदों ने कोई ढंग का काम नहीं किया है। इसलिए भी जनता उनसे नाराज है।

पीडीपी के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि भाजपा को इस तरह का चरित्र नहीं दिखाना चाहिए। सूत्र का कहना कि वह मुफ्ती मोहम्मद सईद की पहली सरकार में मंत्री थे। तब से पहली बार पीडीपी में इस तरह का संकट खड़ा हुआ है। हमने इतने दिन भाजपा के साथ सरकार चलाई है। उसने समर्थन वापस ले लिया और राष्ट्रपति शासन लग गया है। लेकिन इसके बाद भी भाजपा विरोधियों, बागियों को आक्सीजन देने में लगी है। इसे तो राजनीति में कमर के नीचे वार करना कहा जाता है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **एशिया के सबसे** . . . ग्रुप के प्रमुख जैक मा को पीछे छोड़ दिया है और वह एशिया के सबसे अमीर शख्स बन गए हैं. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक मुकेश अंबानी ने इस साल अपनी सम्पत्ति में अब तक 4 अरब डॉलर (273 अरब रुपये) की बढ़ोतरी की है. रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस की तरफ से अपनी पेट्रोकेमिकल्स क्षमता दोगुनी करने का फायदा कंपनी के चेयरमैन को मिला है.

बता दें कि 5 जुलाई को हुई रिलायंस इंडस्ट्रीज की 41वीं एजीएम में मुकेश अंबानी ने रिलायंस जियो को लेकर कई अहम घोषणाएं की. इसमें जियो फोन 2 लाने की घोषणा के साथ ही ई–कॉमर्स बाजार में जियो का डंका बजाने की तैयारी की भी घोषणा की.

इस बैठक के बाद ही लगातार रिलायंस के शेयरों में बढ़त का दौर जारी है. शुक्रवार को भी कंपनी के शेयर 1.50 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे. इसकी बदौलत कंपनी के मार्केट कैप ने 7 लाख करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया.

(पृ. 1 का शेष) . . . **आजम की बढ़ीं मुश्किलें**. . . सरकार इस मामले में बेहद गंभीर है और विशेष टीम गठित की है जो पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी। लोक निर्माण विभाग ने लगभग दो हजार करोड़ रुपये का विकास कार्य किया है। 1300 एकड़ जमीन विवि ने बाउण्ड्रीवाल से घेर ली है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **कमलनाथ ने भाजपा** . . . के लोगों को आशीर्वाद दें ताकि वे मतदान करके भाजपा के 15 साल के कुशासन का अंत करें। बता दें कि उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर को भगवान शिव का सबसे पवित्र निवास स्थान माना जाता है।

कमलनाथ ने आरोप लगाया कि शिवराज सिंह के शासन में राज्य के किसान आत्महत्या कर रहे हैं और लड़कियों के साथ रेप हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा है कि राज्य में भ्रष्टाचार और बेरोजगारी बढ़ी है। कांग्रेस नेता ने दावा किया है कि राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं।

वहीं कांग्रेस ने शुक्रवार को एलान किया कि वह भाजपा की 'जन आशीर्वाद यात्रा' के जवाब में अपना 'जन जागरूकता अभियान' शुरू करेगी। गौर करने वाली बात है कि यह कैंपेन उन्हीं रास्तों से होकर गुजरेगी जिनसे 'जन आशीर्वाद यात्रा' जाएगी। सीएम शिवराज सिंह चौहान शनिवार से 'जन आशीर्वाद यात्रा' की उज्जैन से शुरुआत करेंगे।

(पृ. 1 का शेष) . . . **यूपी शिया वक्फ** . . . गई याचिकाओं पर सुनवाई की थी। हिंदुओं के समूह ने 1994 के फैसले पर अपने मुस्लिम समकक्षों की याचिका का विरोध किया था। उन्होंने दलील दी थी कि इस्लाम अनुयायियों के द्वारा की जाने वाली नमाज मस्जिद का अभिन्न हिस्सा नहीं है।

मुकदमा दायर करने वाले मूल याचिकाकर्ता एम सिद्दीक की मौत हो चुकी है और अब उनके आधिकारिक वारिस के द्वारा केस की पैरवी की जा रही है। उन्होंने 1994 के अदालत के उस फैसले को चुनौती है जिसमें माना गया था कि मुस्लिमों के लिए नमाज मस्जिद का अभिन्न हिस्सा नहीं थी। सिद्दीक के कानूनी उत्तराधिकारी ने खंडपीठ को बताया कि इस मामले में किए गए अवलोकनों ने फैसले को प्रभावित किया था या किसी तरह का असर डाला गया था। हिंदू समूहों ने हालांकि मामले को फिर से खोले जाने का विरोध किया क्योंकि पहले ही इस पर फैसला हो चुका है। सर्वोच्च न्यायालय की विशेष खंडपीठ को कुल 14 अपील प्राप्त हुई हैं, जिन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर किया गया था।

(पृ. 1 का शेष) . . . **पूरा हो गया एतिहासिक**. . . नहर परियोजना की आधारशिला वर्ष 1978 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने रखी थी। पूरी परियोजना लगभग तीन सौ करोड़ की थी। यह परियोजना मध्यप्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश व बिहार के लिए बनी थी।

(पृ. 1 का शेष) . . . **गोमती में दो किशोरिया** . . . बरामद कर लिया। इस बीच दोनों बच्चियों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **बिजली की तार की** . . . जानकारी देने के बाद भी बिजली विभाग का कोई कर्मी मौके पर नहीं पहुंचा। गाँव मे जर्जर तारो की कई बार शिकायत की गयी लेकिन सुधार नही हुआ ।

(पृ. 1 का शेष) . . . **पाकिस्तान पहुंचे नावन** . . . नवाज शरीफ को पनामा पेपर मामले में प्रधानमंत्री पद से अयोग्य ठहराकर बर्खास्त कर दिया गया था। बता दें कि सजा का ऐलान होने के बाद नवाज शरीफ ऐसे समय पर वतन लौट रहे हैं जब देश में आम चुनाव होने वाले हैं और ऐसा बताया जा रहा है कि चुनाव के मद्देनजर ही नवाज स्वदेश लौट रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि नवाज की पार्टी पीएमएल (एन) को इस चुनाव में फायदा मिल सके इसलिए वे वतन लौट रहे हैं।

गौरतलब है कि पाकिस्तान रवाना होने से पहले नवाज ने कहा, अपनी बीमार बीवी को लंदन में अल्लाह के भरोसे छोड़ रहा हूं और जेल में डाले जाने या फांसी पर चढ़ाए जाने की परवाह किए बगैर पाकिस्तान लौट रहा हूं। बेटी मरियम के साथ लंदन छोड़ने से पहले शरीफ ने यह भी कहा कि वो अपनी पत्नी को फिर से आंखें खोलते हुए देखना चाहते हैं और देश से उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए दुआ करने का अनुरोध करते हैं। आपको बता दें कि नवाज की पत्नी कुलसुम को गले में कैंसर है। वे लंबे समय से लंदन में इलाज करा रही हैं।

चांसलर के घर तक सीवर लाइन बिछी है। इसकी वैधता पर जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जायेगी। भारत के अपर सालीसीटर जनरल प्रकाश सिंह ने कोर्ट को बताया कि शत्रु सम्पत्ति (सरकारी सम्पत्ति) पर भी अवैध कब्जा कर लिया गया है। आजम खां की तरफ से अधिवक्ता कमरूल हसन सिद्दीकी व सफदर अली काजमी ने याचिका में लगाये गये आरोपों को निराधार बताया और कहा कि विस्तृत जवाब दाखिल करेंगे। उन्होंने याचिका की पोषणीयता पर यह कहते हुए आपत्ति की कि याची पहले से ही विपक्षी से राजनैतिक वैमनस्यता रखता है। कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लिया और राज्य सरकार से पूछा कि विभिन्न योजनाओं में कितना सरकारी धन खर्च हुआ है और सरकारी सम्पत्ति पर प्राइवेट संस्था का कैसे नियंतण्रहै।

(पृ. 1 का शेष) . . . **किसानों को लाभ** . . . संबद्ध हितधारकों को भी शामिल किया जाना चाहिये। पटना, भोपाल, हैदराबाद, गुवाहाटी और नयी दिल्ली में पाँच क्षेत्रीय बैठकोंध्कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा। इसमें विशेषज्ञों, किसानों और किसानों के प्रतिनिधियों तथा राज्य सरकारों समेत अन्य हितधारकों को भी आमाति किया जायेगा।

उपसमूह में इस बात पर भी सहमति जताई गयी कि इस क्रम में इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि श्रमिकों के हितों की रक्षा की जाये और मनरेगा के ''परिसंपत्ति निर्माण' के ध्येय को अक्षुण्ण रखा जाये। ग्रामीण विकास मांलय, कृषि मंत्रालय तथा संबद्ध राज्य सरकारों के साथ सलाह के बाद इन बैठकों की तारीख बाद में तय की जायेगी।

(पृ. 1 का शेष) . . . **थरूर के बयान** . . . किया है। उन्होंने कहा कि वह मीडिया की रिपोटरें को सच मानते हैं। डॉ. पात्रा ने कहा कि आज की सबसे महत्वपूर्ण खबर यह आयी है कि भारत की अर्थव्यवस्था फ्रांस को पछाड़ कर विश्व की छठवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गई है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा से घृणा के कारण कांग्रेस बार बार लक्ष्मण रेखा लांघ कर भारत एवं लोकतंत्र पर प्रहार करने से बाज नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हिन्दू आतंकवाद का शब्द गढ़ा था और आज ''हिन्दू पाकिस्तान' का नया शब्द कहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बार बार हिन्दुओं पर आक्रमण कर रही है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **कांग्रेस ने बयान** . . . है कि सरकारें आती जाती रहें, लेकिन यह देश कभी पाकिस्तान नहीं बन सकता। भारत एक बहुभाषी और बहुधर्मी देश है।' ''मैं इस मंच से कांग्रेस के हर नेता और कार्यकर्ता से आग्रह करूंगा कि वे ध्यान रखें कि किस तरह के बयान देने हैं।' शेरगिल ने कहा, ''चाहे भाजपा अपने नेताओं के विवादित बयानों पर चुप्पी साध ले, लेकिन हमें बोलने में सावधानी बरतनी चाहिए।'

किसान चैन से, कांग्रेस की नींद उड़ी : पीएम मोदी

मलौट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर आज हमला बोलते हुये कहा कि उसने अपने लगभग 70 साल के शासन में किसानों का केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर इनका शोषण किया लेकिन उनकी सरकार में किसान चैन की नींद सो रहा है और कांग्रेस तथा उसके सहयोगियों की नींद उड़ गई है। मोदी ने पंजाब के मुक्सतर जिले में यहां शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भाजपा गठबंधन द्वारा केंद्र सरकार के हाल ही में 14 खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाये जाने को लेकर आयोजित ''किसान कल्याण रैली' को सम्बोधित करते हुये कांग्रेस पर हमला जारी रखा। उन्होंने कहा कि इस पार्टी ने अपनी शासनकाल में किसान और कृषि को तवज्जो नहीं दी और इनकी अनदेखी की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने किसानों को केवल वोट बैंक के रूप में ही देखा और इनसे झूठे वादे कर इन्हें धोखा दिया तथा केवल एक ही परिवार के उत्थान में लगी रही। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने किसानों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाओं शुरू की हैं जिनसे पंजाब ही नहीं बल्कि समूचे देश के किसान लाभान्वित होंगे। उनकी सरकार ने किसानों के लिये लागत से डेढ़ गुणा एमएसपी तय कर अपना वादा पूरा कर दिया है। सरकार के इन कदमों से किसान जहां राहत महसूस कर रहे हैं वहीं कांग्रेस और इसके सहयोगियों की नींद उड़ गई है और वे अनर्गल बयानबाजी पर उतर आई है।

किसान की फसल बर्बाद न हो इसके लिए प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना चल रही है। देशभर में नए गोदाम और फूड पार्क बनाए जा रहे हैं। पूरी सप्लाई चेन को मजबूत किया जा रहा है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसान को उसकी फसल नष्ट होने की वजह से नुकसान न उठाना पड़े। सरकार गांव का गौरव और किसानों के सम्मान को फिर से स्थापित करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में यूरिया की हमेशा किल्लत रहती थी। सिंचाई के लिए किसानों को पानी नहीं मिलता था लेकिन उनकी सरकार जहां किसानों को न केवल सस्ती दरों पर पर्याप्त यूरिया मुहैया करा रही है बल्कि उसने किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिये अनेक सिंचाई परियोजनाएं भी शुरू की हैं। सरकार 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देश में 15 करोड़ से ज्यादा किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। देश में मृदा जांच हेतु नौ हजार से अधिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं जबकि कांग्रेस के शासन में यह केवल 45–50 ही थीं।

बढ़ती आबादी गंभीर समस्या : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बढ़ती जनसंख्या के खतरे से आगाह करते हुए उसके नियंत्रणपर बल दिया है। सीएम ने बुधवार को ''विश्व जनसंख्या दिवस'' पर अपने सरकारी आवास से हरी झण्डी दिखाकर ''जागरूकता रैली' को रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने जनसंख्या स्थिरता पखवारा का भी शुभारम्भ किया।

जनसंख्या कन्ट्रोल करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत

सभी धर्मो के लोगों को मिलकर प्रयास करना होगा : योगी

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण ही समाज में असंतुलन आ गया है। इस असंतुलन को खत्म करने के लिए सभी वर्गों की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में आबादी तेजी से बढ़ रही है। हर साल एक नया आस्ट्रेलिया बन रहा है। जनसंख्या नियंत्रणके लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। अगर 2023–24 तक बढ़ती आबादी पर रोक नहीं लगी तो देश में खाद्य संकट पैदा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का मकसद परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के साथ लोगों को जनसंख्या नियंत्रणके लिए जागरूक करना है। जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए सभी धर्मों के लोगों को मिलकर प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी से जरूरी संसाधानों पर दबाव बढ़ा है। हमें जनसंख्या नियंत्रणके साथ–साथ साफ सफाई पर भी ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्रम के अन्त में मुख्यमंत्री ने हस्ताक्षर अभियान की भी शुरुआत की, जिस पर लोगों ने हस्ताक्षर कर प्रदेशवासियों को स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन उपलब्ध कराने के लिए संकल्प लिया। इस अवसर पर परिवार कल्याण मंत्री रीता बहुगुणा जोशी, चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ''नन्दी', परिवार कल्याण राज्य मंत्री स्वाती सिंह, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य प्रशान्त त्रिवेदी सहित कई लोग उपस्थित थे।

पदोन्नति में आरक्षण संविधान पीठ तय करेगी

सरकारी नौकरियों में एससी/एसटी को पदोन्नति में आरक्षण पर 12 साल पुराने फैसले पर गौर करेगी संविधान पीठ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जातिअनुसूचित जनजाति वर्गों के लिए पदोन्नति में आरक्षण पर 12 साल पुराने अपने फैसले के खिलाफ अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार किया। यह मामला क्रीमी लेयर लागू करने से जुड़ा हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस विषय पर सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ गौर करेगी। चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा, जस्टिस अजय खानविलकर अर धनंजय चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि वह केवल अंतरिम राहत देने के उद्देश्य से इस मामले में सुनवाई नहीं कर सकती क्योंकि इसे संविधान पीठ को पहले ही भेजा जा चुका है। बेंच ने कहा कि बड़ी पीठ द्वारा इस मामले में सुनवाई के लिए इसे भेजा जा चुका है। एम नागराज मामले में पांच न्यायाधीशों के फैसले पर विचार के लिए सात न्यायाधीशों की पीठ गठित करने की जरूरत है। फिलहाल संविधान पीठ अन्य मामलों की सुनवाई कर रही है। अगस्त के प्रथम सप्ताह से पहले नई संविधान पीठ गठित करना मुश्किल है।

यूपी सरकार का फैसला : फ्लैटों में रहने वाले अब सीधे ले पाएंगे बिजली कनेक्शन

लखनऊ। यूपी में फ्लैटों में रहने वालों के लिए एक अच्छी खबर है. अब ऐसे लोग अलग से अपना बिजली कनेक्शन ले पायेंगे। फ्लैट मालिकों और उसके किराएदारों की शिकायत पर यूपी सरकार ने ये फैसला किया है। इस फैसले को लागू करने वाला यूपी पहला राज्य बन गया है जहां यह व्यवस्था लागू है।

यूपी विद्युत आयोग ने बिल्डरों को सिंगल प्वांट बिजली कनेक्शन देने की व्यवस्था खत्म करने का फैसला किया है। बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले अब विद्युत वितरण कंपनियों से सीधे कनेक्शन ले पायेंगे।

जिन लोगों ने पहले से सिंगल प्वांट बिजली कनेक्शन ले रखा है, वैसे उपभोक्ता अगले साल के 31 मार्च तक इसे बदल सकते हैं। बिजली बिल को लेकर बिल्डर अब तक अपनी मनमानी करते रहे हैं।

यूपी के बिजली मंत्री श्रीकांत शर्मा ने बताया कि नोएडा में बैठक के दौरान कई लोगों ने उनसे मुलाकात की थी। उनकी शिकायत थी कि बिजली बिल को लेकर बिल्डर उनका शोषण और उत्पीड़न करते हैं. बिजली के इस्तेमाल पर उनसे मुहमांगी क़ीमत ली जाती है।

इन शिकायतों को लेकर बिजली मंत्री श्रीकांत शर्मा ने विद्युत नियामक आयोग से बातचीत की. बिजली मंत्री श्रीकांत शर्मा की पहल पर विद्युत नियामक आयोग की बैठक हुई। मीटिंग के बाद आयोग के अध्यक्ष राज प्रताप सिंह ने इस फैसले का ऐलान किया। यूपी सरकार के इस नए फैसले से लाखों फ्लैट मालिकों और किराएदारों को राहत मिलेगी।

अब तक बिल्डर के जरिए उन्हें बिजली कनेक्शन मिलता था. कनेक्शन से लेकर बिजली खपत के हर यूनिट पर बिल्डर इनसे मनमाना पैसा वसूलते थे। सरकारी रेट से अलग फ्लैट में रहने वालों को बिजली बिल देना पड़ता था।

विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 43 के मुताबिक़ किसी भी उपभोक्ता को बिजली कनेक्शन लेने से रोका नहीं जा सकता है. विद्युत नियामक आयोग ने इसी नियम के हवाले से नया फैसला जारी कर दिया है. बहुमंजिली इमारतों में लगे सिंगल प्वांट बिजली कनेक्शन को अगले साल की 31 मार्च तक मल्टी प्वांट कनेक्शन में बदल दिया जायेगा

ब्रिटेन के 'विंडरश' आव्रजन घोटाले में 93 भारतीय फंसे

लंदन। ब्रिटेन के 'विंडरश' आव्रजन घोटाले में 93 भारतीय फंस गए हैं। ब्रिटेन की सरकार ने अपनी नागरिकता के अधिकार को लेकर विवाद में फंसे राष्ट्रमंडल नागरिकों के प्रति वीरवार को अपना नवीनतम आंकड़ा जारी किया।

विंडरश घोटाले से प्रभावित भारतीयों का सही आंकड़ा सामने आया है। ब्रिटिश गृह मंत्रालय के एक आपात कार्यबल ने 93 भारतीय नागरिकों को ब्रिटेन में रहने और काम करने के उनके अधिकारों को औपचारिक रूप प्रदान करने के लिए दस्तावेज प्रदान किए हैं।

इस कार्यबल पर उन प्रवासियों के मामलों से निपटने की जिम्मेदारी डाली गई है जो 1973 में आव्रजन नियमों के और सख्त होने से पहले ब्रिटेन में आए थे। कार्यबल ने 2125 प्रवासियों के जितने मामले निपटाए हैं उनमें से ज्यादातर कैरिबियाई नागरिकों के थे। पहली बार प्रभावित भारतीयों की संख्या के बारे में एक सही तस्वीर उभरकर सामने आई है।

प्लास्टिक और थर्मोकोल पर प्रतिबंध के लिए आएगा अध्यादेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार पॉलीथिन, प्लास्टिक व थर्मोकोल पर प्रतिबंध लगाने के लिए अध्यादेश लाने जा रही है। यह अध्यादेश नगर विकास विभाग ला रहा है। इसमें न सिर्फ इनकी बिक्री बल्कि इनके उपयोग पर भी दंड का प्रावधान किया जा रहा है। सबसे ज्यादा फोकस इस निर्णय के जमीनी स्तर पर लागू करने पर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में चरणवार ढंग से सभी प्रकार की पॉलीथिन, प्लास्टिक व थर्मोकोल के कप–प्लेट–ग्लास आदि पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है।

सबसे पहले 15 जुलाई से 50 माइक्रोन से कम की पॉलीथिन प्रतिबंधित की जा रही हैं। इसके बाद 15 अगस्त से प्लास्टिक व थर्मोकोल के कप–प्लेट व ग्लास प्रतिबंधित किए जाएंगे।

अंत में दो अक्टूबर से सभी प्रकार के पॉलीबैग प्रतिबंधित करने की योजना है। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद अब नगर विकास विभाग इसकी तैयारियों में जुट गया है। विभाग इस मामले में दोनों तरह की तैयारी में लगा है। 15 जुलाई से पहले यदि अध्यादेश फाइनल नहीं हो पाया तो विभाग पहले चरण के लिए शासनादेश जारी करेगा। इसमें 50 माइक्रोन तक की पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगाना है। इसके लिए केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की 18 मार्च, 2016 की अधिसूचना का सहारा लिया जाएगा।

इसलिए अध्यादेश लाना जरूरी

प्रदेश में प्लास्टिक और अन्य जीव अनाशित कूड़ा–कचरा (उपयोग और निस्तारण का विनियमन) अधिनियम 2000 लागू है। इसमें 20 माइक्रोन से कम की पॉलीथिन के उपयोग पर ही प्रतिबंध की बात है। लेकिन, मुख्यमंत्री ने पॉलीथिन के साथ ही थर्मोकोल व प्लास्टिक पर भी प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। ऐसे में नगर विकास विभाग को अपने कूड़ा कचरा अधिनियम में संशोधन करना होगा। इसी संशोधन के लिए सरकार अध्यादेश लाने जा रही है। बगैर अध्यादेश के इस पर प्रभावी ढंग से प्रतिबंध नहीं लग सकता है।

इंग्लैंड को हराकर विराट ने की महान क्लाइव लॉयड और रिकी पोंटिंग की बराबरी

नई दिल्ली। तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को आठ विकेट के अंतर से हराकर 1–0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने शहिटमैनश रोहित शर्मा (137 नाबाद) और कुलदीप यादव (6ध्25) के दम पर इस मैच को आसानी से जीत लिया।

इस दौरान टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने भी शानदार 75 रनों की पारी खेली। सीरीज के इस पहले मैच में जीत हासिल करते ही टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने अपने नाम एक और रिकॉर्ड कर लिया। वह 50 मैचों में कप्तानी करने के साथ ही सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में वेस्ट इंडीज महान कप्तान क्लाइव लॉयड और कंगारू टीम के कप्तान रिकी पोंटिंग की बराबरी पर पहुंच गए है।

50 वनडे मैचों में अपनी टीम की कप्तानी करने वालों में शामिल विराट के नेतृत्व में टीम इंडिया को 39 मैचों में जीत और 10 में हार मिली है। 1 मैच का कोई परिणाम नहीं निकला है। क्लाइव लॉयड और रिकी पोंटिंग की कप्तानी में भी उनकी टीमों ने भी 39 ही जीत हासिल की थी।

50 मैचों में कप्तानी करने वाले सबसे ज्यादा जीत दिलाने वालों में दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान हैंसी क्रोन्ये हैं। 50 मैचों में उनकी टीम ने 37 में जीत दर्ज की थी।

खेल विधेयक लाने में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव : बिंद्रा

नयी दिल्ली। ओलंपिक के एकमात्र व्यक्तिगत भारतीय स्वर्ण विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने मौजूदा व्यवस्था पर कड़ा प्रहार करते हुये शुक्रवार को कहा कि आज देश में खेल विधेयक की सख्त जरूरत है लेकिन इसे लाने में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। बिंद्रा ने ओपीपीआई (स्वास्थ्य और उम्मीद) के वार्षिक सम्मेलन में अपने करियर की शुरूआत से लेकर मौजूदा खेल व्यवस्था पर बारीकी से नजर डालते हुये कहा, हम हर ओलंपिक के समय इस बात का ही रोना रोते हैं कि हमें एक दो पदक क्यों मिले, यह सिलसिला अगले चार वर्ष तक फिर बना रहता है। चार वर्ष बाद फिर वैसी ही स्थिति रहती है और हम इसी तरह शोर मचाते हैं जबकि हमें अपनी योजना में निरंतरता बनाये रखने की जरूरत है। निशानेबाजी से संन्यास ले चुके और अब देश में युवा निशानेबाजों को तैयार कर रहे बिंद्रा ने कहा, देश में खेल प्रशासन में बदलाव लाने की सख्त जरूरत है। खेल विधेयक आज के समय की जरूरत है लेकिन अफसोस इस बात का है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में खेल विधेयक नहीं लाया जा रहा है। जब तक हम ऐसा नहीं करेंगे तो हम हर चार वर्ष बाद ओलंपिक के समय इसी बात का शोर मचाएंगे कि हमें ज्यादा पदक क्यों नहीं मिलते।

2008 के बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने खेल दृश्य में सुधार लाने के लिये कहा, योजना में निरंतरता लानी होगी, ग्रास रूट स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना होगा और युवा प्रतिभाओं में निवेश करना होगा तभी जाकर हम भविष्य के लिये अच्छे खिलाड़ी सामने ला पाएंगे। जब तक आप एक नयी पौध तैयार नहीं करेंगे तो भविष्य के चैंपियन कैसे तैयार होंगे। खुद तीन निशानेबाजी सेंटर चला रहे बिंद्रा ने कहा, हमारा सर्वश्रेष्ठ सेंटर मोहाली है। फिलहाल मेरे तीन सेंटर हैं लेकिन मैं देश में और सेंटर खोलना चाहता हूं। भारत में खेलों को बढ़ावा देने और प्रतिभाओं को तराशने की जरूरत है। ओलंपिक में पदक जीतने और उससे दूर रह जाने में मात्र एक प्रतिशत का फासला रहता है। उन्होंने कहा, कि आज पश्चिमी देश ओलंपिक पदक जीतने के लिये इसी एक प्रतिशत पर मेहनत कर रहे हैं जिससे स्वर्ण और 15वें स्थान का फैसला होता है। हम इस मामले में अभी बहुत पीछे हैं। मेरी भी कोशिश है कि इस एक प्रतिशत के फासले को कम किया जाए ताकि हमारे खिलाड़ी ओलंपिक में ज्यादा पदक जीत सकें। बीजिंग ओलंपिक के अपने स्वर्ण पदक के सफर का जिक्र करते हुये बिंद्रा ने कहा, बीजिंग के लिये मैंने काफी कड़ी तैयारी की है। एक इंसान के रूप में जो कुछ संभव हो सकता है वह मैंने किया है। इसलिये मुझे खुद पर काफी भरोसा था। तैयारी का जिक्र करते हुये उन्होंने कहा, जहां मेरा इवेंट होना था वह 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला एक बड़ा हॉल था, ऐसे हॉल में निशानेबाजी करना आसान नहीं होता है क्योंकि एकाग्रता पर इसका असर पड़ता है।

मोहम्मद कैफ ने सभी फार्मेट से लिया संन्यास

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राष्ट्रीय टीम की ओर अपने आखिरी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के 12 वर्ष बाद शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी।

मध्यक्रम के बल्लेबाज कैफ ने ट्वीटर पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैंने जब क्रिकेट खेलना शुरू किया तब मेरा सपना केवल भारत के लिये खेलना था। मैं बहुत भाग्यशाली रहा कि मैंने जीवन के 190 दिनों तक मैदान पर खेलते हुये अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। आज का दिन मेरे संन्यास का है जब मैं सभी प्रारूपों को अलविदा कह रहा हूं। सभी का धन्यवाद। 37 साल के कैफ ने भारत के लिये करियर के दौरान 13 टेस्ट और 125 वनडे खेले। कैफ को हमेशा वर्ष 2002 में लार्ड्स में खेली गयी नेटवेस्ट ट्रॉफी में 87 रन की मैच विजयी पारी के लिये याद किया जाएगा। पूर्व क्रिकेटर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड(बीसीसीआई) के कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना और सचिव अमिताभ चौधरी को संबोधित करते हुये पत्र में लिखा, मैं इस दिन सभी प्रथम श्रेणी क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। मैं 13 जुलाई को खास वजह से ऐसा कर रहा हूं। हमारे जीवन का हर दिन अहम होता है और 16 वर्ष पहले मैंने 13 जुलाई 2002 को ही नेटवेस्ट सीरीज फाइनल में टीम को खिताबी जीत दिलाई थी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।

इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार ''सत्य'' माना जायेगा। संपादक

crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222